



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 26, 1977 (अग्रहायण 5, 1899)
No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 26, 1977 (AGRAHAYANA 5, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके ।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 नवम्बर 1977

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०-III (1)—इस कार्यालय की समसूचक अधिसूचना दिनांक 18 अक्तूबर, 1977 का आंशिक संशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० एम० सबरवाल को, राष्ट्रपति द्वारा 16 अक्तूबर, 1977 से 31 दिसम्बर, 1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०-III (2)—इस कार्यालय की समसूचक अधिसूचना दिनांक 17 सितम्बर, 1977 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० के० मागो को, राष्ट्रपति द्वारा 18 अक्तूबर, 1977 से 26 नवम्बर, 1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा० III (3)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री आर० दयाल को, राष्ट्रपति द्वारा 22-10-77 से 6-12-1977 तक 46 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभात नाथ मुखर्जी,
अवर सचिव,
(प्रशासन प्रभारी),
संघ लोक सेवा आयोग।

गृह मंत्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1977

सं० 35018/11/77-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, राजस्थान राज्य पुलिस के अधिकारी श्री मजूर अहमद को दिनांक 19-10-1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

(5315)

दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, जयपुर शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्र प्रकाश गुप्ता,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना),
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो।

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं० ई० 38013(3)/13/77-कार्मिक—नई दिल्ली में स्थानांतरित होने पर, श्री एम० एम० मैनी ने 16 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न में के० औ० सु० ब० यूनिट अलाय इस्पात संयंत्र दुर्गापुर में सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सभाल लिया।

ली० सि० बिष्ट,
महानिरीक्षक/के० औ० सु० ब०।

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नामिक रोड, दिनांक 8 नवम्बर 1977

सं० 1311/ए—दि० 14 जुलाई, 1977 के क्रम में श्री एस० एन० कुर्डी को उप नियंत्रक अधिकारी के पद पर नविन चतार्थ पत्र

रा० विश्वनाथन,
महा प्रबन्धक।

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं० सी० ए० 1/61-77—अतिरिक्त उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को महर्ष पदोन्नत किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थापनापन्न रूप में करने के लिय की है और नीचे कालम 4 में उल्लिखित नियमों में प्रत्येक के नाम के सामने कालम 3 में लिखे गये कार्यालय में अन्य आदेश होने तक इसी रूप में उन्हें तैनात किया है।—

क्र० सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	पदोन्नति के पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के बाद जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्ति हुई	स्थापनापन्न लेखा- परीक्षा अधि- अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	श्री जी० टी० समथनकूमागचार	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बंगलौर।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, रांची।	29-9-77 (पूर्वाह्न)

मुद्रणालय में तदर्थ रूप में 28 अक्टूबर, 1977 तक नियुक्त करते हैं।

श्री एस० एन० कुर्डी को उप नियंत्रक अधिकारी के रूप में तदर्थ नियुक्ति दि० 29 अक्टूबर, 1977 में नविन चतार्थ पत्र मुद्रणालय में नियमित रूप में नियुक्त करते हैं।

डी० सी० मुखर्जी,
महाप्रबंधक,
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय।

प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1977

सं० 7(36)/6212—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(36)/3834 दिनांक 24 जून, 1975, क्रमांक 7(36) 10023 दिनांक 23 दिसम्बर, 1975, क्र० 7(36) 3145 दिनांक 26 मार्च, 1976, क्र० सं 7(36) 6051 दिनांक 14 सितम्बर, 1976, क्र० 7(36) 2896 दिनांक 25 मार्च, 1977 और क्रमांक 7(36)/3134 दिनांक 16 जुलाई, 1977 के आगे श्री एस० टी० सिरसट तदर्थ आधार पर 31 दिसम्बर 1977 तक की और अवधि अथवा इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, अग्निशमन अधिकारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री				
2. पी० सी० जैन	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एव पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली ।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एव पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, राची ।	28-9-77 (पूर्वाह्न)	
3. विनोद कुमार	महालेखाकार, पंजाब ।	महालेखाकार, राजस्थान ।	28-9-77 (पूर्वाह्न)	
4. जी० के० देणार्ई	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एव पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बंगलौर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एव पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, राची	29-9-77 (पूर्वाह्न)	
5. पी० आर० धोपेखरकार	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एव पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बई	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एव पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बई	29-8-77 (पूर्वाह्न)	
6. भो० आर० कल्याणरमण	"	"	14-10-77 (पूर्वाह्न)	
7. आर० कृष्णमूर्ति	महालेखाकार, कर्नाटक	" भोपाल	28-9-77 (पूर्वाह्न)	
8. के० सत्यनारायणमूर्ति	महालेखाकार-II (आ० प्र०) हैदराबाद	महालेखाकार, उड़ीसा	30-9-77 (पूर्वाह्न)	
9. के० एच० शास्त्री	"	"	29-9-77 (पूर्वाह्न)	
10. एन० आप्पालाराजु	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एव पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा, मद्रास	महालेखाकार II (ता० ना०) मद्रास	31-8-77 (पूर्वाह्न)	

सुशील देव भट्टाचार्य,
संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 26 अक्तूबर 1977

सं० प्रशासन 1/11144(13)/237—महालेखाकार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि से आगामी आदेश पर्यंत इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी नियुक्त किया है :

क्र० सं०	नाम	तिथि
1.	श्री चन्द्र प्रकाश खरे	26-9-77
2.	श्री प्यारे लाल शर्मा	7-10-1977
3.	श्री शन्ताराम विष्णु कशालकर	17-10-1977

उ० रामचन्द्र राव,
व० उप० महालेखाकार (प्रशासन)।

कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1977

सं० स्था० (ए०)/जी० ओ०/3109—महालेखाकार गुजरात के अधीन लेखा-सेवा के निम्नलिखित स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शाये दिनांक से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार, गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है ।

क्र० सं०	नाम	तिथि
(1)	(2)	(3)
1.	श्री एम० आर० श्रीनिवासन	26-9-1977 (पूर्वाह्न)
2.	श्री वी० आर० नटराजन	1-10-1977 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)
3. सोमदत्त शर्मा		1-10-1977 (पूर्वाह्न)
4. श्री टी० के० मेनन		4-10-1977 (पूर्वाह्न)
5. श्री बी० राजगोपालन I		29-10-1977 (पूर्वाह्न)
6. श्री एस० वेकटरामन		29-10-1977 (पूर्वाह्न)

के० पी० लक्ष्मण राव,
उप महालेखाकार (प्रशासन) ।

महा लेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश I

हैदराबाद-500476, दिनांक 4 नवम्बर 1977

स० ई० बी० I/8-132/77-78/307—श्री एम० आई० एन० मिहयीबो, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय आंध्र प्रदेश I/ में सेवा में नियुक्त हुए दि० 31 अक्तूबर, 1977 अपराह्न से ।

एन० आर० मुखर्जी,
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश

ग्वालियर, दिनांक 1 नवम्बर 1977

स० क्रमांक प्रशा० I/368—महालेखाकार-1, मध्य प्रदेश ने श्री एस० कृष्णमूर्ति, स्थाई अनुभाग अधिकारी 02/0219 को दिनांक 29 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न से अर्थात् वह दिनांक जिसमें उनसे अवर श्री पी० एम० खोडकर, अनुभाग अधिकारी की पदोन्नति, लेखा अधिकारी के पद पर हुई है, वेतन मान रुपये 840-40-1000 द० अ० 40-1200 में, लेखा अधिकारी के पद पर प्रोफार्मा पदोन्नति किया है ।

स० क्रमांक-प्रशा०-1/369—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्न लिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता में लेखा अधिकारी के पद पर वेतन मान रुपये 840-40-1000-द० अ० 40-1200 में, उनके नाम के आगे बतलाये दिनांक से पदोन्नति किया है ।

1. श्री डी० आर० नारग 02/0222, दिनांक 5 अक्तूबर, 1977 अपराह्न ।

2. श्री जी० टी० मिठे 02/0224, दिनांक 6 अक्तूबर, 1977 पूर्वाह्न ।

कृष्ण गोपाल,
वरिष्ठ उप महालेखाकार/(प्रशासन) ।

कार्यालय महालेखाकार, कर्नाटक

बेंगलूर, दिनांक 31 अक्तूबर 1977

स० स्थापना 1/ए०-4/77-78/586—महालेखाकार, स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री ए० एन० मूर्ति को, उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक लेखा अधिकारी के पद में, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से अस्थायी रूप में पदोन्नति करने में प्रसन्न हुए हैं ।

एम० ह० सौन्दरराजन्,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार,
(प्रशासन) ।

कार्यालय महालेखाकार, केरल

तिरुवनन्तपुरम, दिनांक नवम्बर 1977

स० स्थापना प्र० 7/9-86/जिल्द II/—महालेखाकार कार्यालय, केरल के निम्नलिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारी को, प्रत्येक के नाम के सामने लिखित तारीख से प्रभाव से० रू० 840-40-1000 द० री० 40-1200 के लेखा अधिकारियों के ग्रेड में मौलिक क्षमता में निपुण करने को महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं ।

1. श्री टी० अश्वुत वारियर—1 अप्रैल 1977 ।

2. श्री के० एस० कृष्णमाचारी—30 सितम्बर 1977 ।

एस० जयरममन,

उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 31 अक्तूबर 1977

स० प्रशा० I/1038- XIV/2603—महालेखाकार प्रथम पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर निम्नलिखित तिथियों या उनके द्वारा वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अगला आदेश जारी होने तक इस कार्यालय में/महालेखाकार कार्यालय द्वितीय में तथा महालेखाकार कार्यालय केन्द्रीय में बहाली करने की कृपा की है ।

मर्वश्री

1. शिशिर कुमार राय, 28 अक्तूबर, 1977 अपराह्न से ।

2. कन्दर्प विजय भट्टाचार्य, 31 अक्तूबर, 1977 अपराह्न से ।

3. शिवपद मंडल, 31 अक्तूबर, 1977 अपराह्न से ।

श्री शिणिर कुमार राय अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०), महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय के समक्ष उपस्थित होंगे ताकि उस कार्यालय में रिक्त स्थानों पर उनकी बहाली लेखा अधिकारी के रूप में हो सके। श्री कन्दर्प विजय भट्टाचार्य अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर इस कार्यालय के वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०) के समक्ष उपस्थित होंगे जहाँ वे लेखा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे। श्री शिव-पद मडल अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०) महालेखाकार कार्यालय द्वितीय, पश्चिम बंगाल के समक्ष उपस्थित होंगे ताकि वे रिक्त स्थान पर लेखा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर सकें।

लेखा अधिकारियों की पारस्परिक वरिष्ठता की घोषणा बाद में कर दी जाएगी।

दिनांक 1 नवम्बर, 1977

स० प्रशा०-1/1038/XV/2560-2567—महालेखाकार
प्रथम पश्चिम बंगाल ने श्री रवीन्द्र नाथ गुप्त, स्थायी अनुभाग अधि-

कारी जो कि वर्तमान में सैन्ट्रल फोशरी कार्पोरेशन के अधीन इतर सेवा पर हैं को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 28 अक्तूबर, 1977 (अपराह्न) से या उनके द्वारा वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से बहाली करने की कृपा की है। श्री रवीन्द्र नाथ गुप्त अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०) महालेखाकार कार्यालय द्वितीय, पश्चिम बंगाल के समक्ष उपस्थित होंगे जिसे उनकी बहाली रिक्त स्थानों में लेखा अधिकारी के रूप में हो सके।

'अधिकारी' की पारस्परिक वरिष्ठता की सूचना बाद में दे दी जायेगी।

पी० के० बन्दोपाध्याय,
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०),
पश्चिम बंगाल

रक्षा लेखा विभाग,

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 नवम्बर, 1977

स० 40011 (2)/77 प्रशा० ग० —(1) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न में पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जायेगा/गया।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर सख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तर्गण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
1.	बी० सी० बनर्जी, (पी०/1)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
2.	एम० राम मुद्गहूण्य अध्यक्ष, (पी०/48)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना।
3.	गोविन्द लाल बनर्जी, (पी०/79)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
4.	बी० डी० तवाकले, (पी०/85)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ
5.	एस० बेकटेशन, (पी०/115)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
6.	टी० के० ज्योतिर्मयिम, (पी०/181)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौ सेना) बम्बई।
7.	जसन्वत लाल कालरा, (पी०/182)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद।
8.	के० एस० मणी (पी०/188)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
9.	मुकुन्द लाल चोपड़ा (पी०/208)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
10.	गोपीनाथ मेनन, (पी०/288)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पूना।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर सख्या सहित	ग्रेड	पेशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
11.	के० के० कपूर, (पी०/303)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
12.	आर० जी० लूथरा, (पी०/315)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
13.	टी० आर० वैधनाथन, (पी०/337)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून
14.	अनूप सिंह बक्शी, (पी०/349)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
15.	निरजन सिंह, (पी०/357)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
16.	परमानन्द बोहरा, (पी०/373)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
17.	तिलक राज, (पी०/377)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
18.	के० एस० वेकट रामन, (पी०/403)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
19.	पी० एस० शेषप्पा, (पी०/452)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
20.	चन्द्र प्रकाश गुलाटी, (पी०/460)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
21.	पी० कृष्णम्माचारी, (पी०/486)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
22.	आर० बाल सुब्रह्मयन, (पी०/509)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून।
23.	आर० एम० मलहोत्रा, (पी०/546)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ।
24.	निर्मल सिंह, (पी०/557)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
25.	बी० एम० गरुड, (पी०/626)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
26.	गिरधारी लाल चौपड़ा, (पी०/645)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
27.	दीपचन्द शर्मा, (पी०/648)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
28.	एल० सी० गुप्ता, (ओ०/102)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
29.	हर किशन लाल, (ओ०/113)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-6-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
30.	मुशील कुमार गांगुली, (ओ०/202)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।

क्रम	नाम, रोस्टर मंख्या सहित पं०	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
	सर्वश्री			
31.	हेमराज शर्मा, (ओ०/212)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ।
32	एम० एन० नय्यर, (ओ०/261)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैंक) उत्तर मेरठ
33	एम० एल० दीवान, (ओ०/276)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
34	उमेश सिंह (ओ०/297)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
35	मदन सिंह, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
36.	एन० के० शर्मा, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
37.	एम० के० चड्ढा (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा अधिकारी, मध्य कमान, मेरठ।
38	सी० ए० सिंह, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा अधिकारी, (पेंशन) इलाहाबाद।
39	डी० कल्याण कृष्णन, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-8-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अफसर) पूना।
40.	पी० डी० बक्षी, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना), देहरादून।
41.	एन० एस० तम्पी, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी, कमान, पूना।

श्री पी० कृष्णाम्माचारी, स्थायी लेखा अधिकारी, को सेवानिवृत्ति पूर्व 24 अक्टूबर, 1977 से 6 मार्च, 1978 तक 134 दिन की अर्जित छुट्टी तथा 7 मार्च, 1978 से 31 मार्च, 1978 तक 25 दिन की अर्ध वेतन, छुट्टी मंजूर की गई है।

श्री एम० एन० नय्यर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 5 अप्रैल, 1977 से 30 अप्रैल, 1977 तक 26 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

श्री डी० कल्याणकृष्णन्, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1 जुलाई, 1977 से 31 अगस्त, 1977 तक 62 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई थी।

(2) सिविल सेवा विनियमावली जिल्द-I के अनुच्छेद 459(i) के प्रावधानों के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा-निवृत्ति का नोटिस देने पर, रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना), बम्बई के संगठन में सेवारत श्री एफ० एक्स० डिमेलो, स्थायी लेखा अधिकारी (पी०/421) को 31 मार्च, 1978 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिया जायेगा।

श्री एफ० एक्स० डिमेलो, को सेवा निवृत्ति पूर्व 3 अक्टूबर, 1977 से 31 मार्च, 1978 तक 180 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(प्रार० बेंकट रत्नस),
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेंस फैक्ट्रिया सेवा,

महानिदेशालय, आर्डनेंस फैक्ट्रिया,

कलकत्ता, दिनांक 3 नवम्बर 1977

सं० 71/77/जी०—राष्ट्रपति, श्री प्रभाकर अनन्तदेव, को सहायक प्रबन्धक (परखाबधि) के पद पर, दिनांक, 19 अप्रैल, 1976 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं।

सं० 72/77/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को सहायक प्रबन्धक (परखाबधि) के पद पर, प्रत्येक के मामले दर्शायी गई तारीख से, आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं —

- (1) श्री डी० श्रीनिवासन्—दिनांक, 26 मार्च, 1977 (पूर्वाह्न)।
- (2) श्री नरेश चन्द्र जैन—दिनांक, 21 मार्च, 1977 (पूर्वाह्न)।
- (3) श्री चिनमय खट्टोपध्याय—दिनांक 28 मार्च, 1977 (पूर्वाह्न)।
- (4) श्री विजय कुमार अमलावादी—दिनांक, 11 मार्च, 1977 (पूर्वाह्न)।
- (5) श्री कनकेश्वर जान जयारतनम्—दिनांक, 1 मार्च, 1977 (पूर्वाह्न)।
- (6) श्री रत्नाकर लक्ष्मण कुलकर्णी—दिनांक, 1 सितम्बर, 1977 (पूर्वाह्न)।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक,
आर्डनेंस फैक्ट्रिया

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 29 अक्टूबर, 1977

सं० ई० एस० टी०-I-2(685)—श्रीमान् राष्ट्रपति, 12 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से, अन्य आदेश होने तक, श्री मधुसूदन मौलिक को वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई में उप-निदेशक (भारतीय सांख्यिकीय सेवा की तृतीय श्रेणी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एम० सी० सुवर्णा,
अपर वस्त्र आयुक्त

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर, 1977

सं० जूट (ए०)/147/65—पटसन आयुक्त श्री के० पी० दाम के अवकाश पर जाने से श्री एस० के० हाजरा, निरीक्षक (अ-तकनीकी) को 1 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से 17 दिसम्बर, 1977

तक समान कार्यालय में एक तदर्थ स्थापनापन्न सहायक निदेशक (निपति) ग्रुप-ब (राजपत्रित) के रूप में 650 रु०—1200 रु० के वेतनमान में नियुक्त करते हैं :—

एन० के० राय,
प्रणामनिक अधिकारी

उद्योग मंत्रालय,

(औद्योगिक विकास विभाग)

कार्यालय विकास आयुक्त

(लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1977

सं० 12/628/69-प्रशासन (राजपत्रित) —लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (वर्ग-1) श्री के० बी० सिंह के राजस्थान वित्त निगम में स्थाई रूप से चले जाने पर राष्ट्रपति जी सरकारी सेवा से उनका त्यागपत्र दिनांक 5 जुलाई, 1974 (अपराह्न) से सहर्ष स्वीकृत करते हैं।

सं० ए० -19018/319/77-प्रशासन (राजपत्रित)—भारतीय ग्रथ सेवा के वर्ग -IV अधिकारी श्री स्वामीनाथ को राष्ट्रपति जी, दिनांक 30 जुलाई, 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (वर्ग-1) (आर्थिक अन्वेषण) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 सहायक निदेशक (वर्ग-1) (आर्थिक अन्वेषण) के पद पर नियुक्ति के फलस्वरूप श्री स्वामी नाथ ने दिनांक 30 जुलाई, 1977 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग शाखा संस्थान, रांची (बिहार) में सहायक निदेशक (वर्ग-1) (आर्थिक अन्वेषण) के पद का कार्यभार संभाला।

सं० ए०-19018/320/77-प्रशासन (राजपत्रित)—कार्यालय, महालेखाकार वाणिज्य, कार्य एवं विविध, नई दिल्ली के अनुभाग अधिकारी श्री पी० एन० बहल को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) कार्यालय विकास आयुक्त लघु उद्योग (लघु उद्योग), नई दिल्ली में सामान्य प्रतिनियुक्ति के आधार पर लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. लेखा अधिकारी के पद पर, नियुक्ति के परिणामस्वरूप श्री पी० एन० बहल ने दिनांक 30 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 17 अक्टूबर, 1977

सं० 12/125/61-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग विकास संगठन के उप-निदेशक (वर्ग-I) श्री जी० डी० शर्मा का सरकारी सेवा से त्यागपत्र राष्ट्रपति जी, दिनांक 15 सितम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से स्वीकार करते हैं।

सं० 12(265)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (वर्ग-I) श्री एस० पी० गुप्ता को राष्ट्रपति जी, दिनांक 19 अक्टूबर, 1976 (पूर्वाह्न) से मूल नियमों (एफ० आर०) के नियम 56 की धारा जे (1) के धीन सेवा निवृत्त करते हैं।

सं० 12/45/64-प्रशासन (राजपत्रित)—लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (वर्ग-II) श्री पी० स्वर्ण सिंह को विकास आयुक्त (लघु उद्योग) मूल नियमों (एफ० आर०) के नियम 56(II) के अधीन दिनांक 24 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त करने है।

2. सरकारी सेवा से निवृत्त होने के परिणाम स्वरूप श्री पी० स्वर्ण सिंह ने दिनांक 24 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद में उप-निदेशक (वर्ग-II) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 अक्टूबर 1977

सं० ए०-19018 (318)/77-प्रशासन (राजपत्रित)—भारतीय ग्रंथ मेवा के वर्ग 4 के अधिकारी श्री ए० ए० राघवन को राष्ट्रपति जी दिनांक 27-9-1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में उप-निदेशक (सांख्यिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 नियुक्ति के फलस्वरूप श्री ए० ए० राघवन ने दिनांक 27-9-77 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में उप-निदेशक (सांख्यिकी) के पद का कार्यभार संभाला।

वी० डेक्टरायस,
उप-निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं० प्र०-1/1 (885)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री विष्णु दामनारंग निवर्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-10-77 के अपराह्न में सेवानिवृत्त हो गये।

दिनांक 8 नवम्बर 1977

सं० ए०-17011/129-प्र०-6—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में श्री प्रीतम सिंह, स्थायी भंडार परीक्षक (इन्जीनियर) को दिनांक 20 जून, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सूर्य प्रकाश,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

हस्तात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

सं० ए०-19011/32/70-स्था० ए०—डा० ए० ए० हमन, खनिज अर्थशास्त्री को भारतीय खान ब्यूरो में
2-346GI/77

श्री ए० एस० गोपालाचारी के दिनांक 4-5-1977 से 25-6-1977 तक छुट्टी से रिक्त अधीक्षक खनिज अर्थशास्त्री के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नति की जाती है।

एल० सी० रणधीर,
प्रशासन अधिकारी
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० स्था०-1-5297/913-एच०—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० स्था०-1-5246/913-एच० दिनांक 11-7-77 के अनुक्रम में श्री रमेश कुमार चमोली, हिन्दी अधिकारी, महासर्वेक्षक का कार्यालय की तदर्थ नियुक्ति की अधिसूचना दिनांक 31-3-1978 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बढ़ा दी जाती है।

दिनांक 2 नवम्बर 1977

सं० स्था०-5298/594-प्रबन्धक—श्री बी० ई० रमन को प्राक् मानचित्र उत्पादन संयंत्र (सं० प्र० एवं मा० उ० क्र०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में सहायक प्रबन्धक मानचित्र प्रतिकृति (सा० के० से० ग्रुप 'बी') के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 6 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश दिए जाने तक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 नवम्बर 1977

सं० सी-5299/718-ए०—श्री कान्ति प्रकाश, अधीक्षक, महासर्वेक्षक कार्यालय (स्थानापन्न) जिन्होंने इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या गो-5010/718-ए दिनांक 16 अक्टूबर 1975 के अन्तर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर दिनांक 1 नवम्बर 1975 से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, को उसी पद पर 1 नवम्बर 1977 से नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है तथा मध्य मकिल, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जबलपुर में स्थानान्तरित किया जाता है।

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक

सं० एफ० 11-10/76-ए०-1—निम्नलिखित सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड-1) (सामान्य) और स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) तदर्थ आधार पर

दिनांक 24-8-77 से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी आधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) नियुक्त किए जाने हैं।

1. श्री सूरज प्रकाश
2. श्री हुली चन्द
3. श्री के० एस० तलवार
4. श्री आई० बी० राय

श्री नन्दन प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1977

स० 3/21/60-एम०-डो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० सान्धु, वरिष्ठ लेखापाल, केन्द्रीय विक्रय एकक, आकाशवाणी, बम्बई को, दिनांक 28-10-77 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश होने तक, आकाशवाणी, राजकोट में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेषाद्री,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० 4 (33)/77-एम०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अमरजीव सिंह को, आकाशवाणी, बम्बई में 26-9-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

स० 4 (72)/77-एम०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी नहीद ताज कुरेशी को रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में 10-10-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 नवम्बर 1977

स० 4 (17)/76-एम०-एक—श्री परवेज अहमद कुरेशी, कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर का 13 अक्टूबर, 1977 को निधन हो गया।

स० 4 (24)/77-एम०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री श्रीरामा भारती को आकाशवाणी दिल्ली में 19-10-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1977

स० 10/101/77-एम०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री आर० जयकुमार को, आकाशवाणी, नजीबाबाद में

19-10-77 से महायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 नवम्बर 1977

स० 10/116/77-एम०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एम० सी० जायमवाल को दिनांक 31-5-77 से दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ में महायक इंजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० 11 (2)/74-एस०-1—महानिदेशक दूरदर्शन, स्थायी प्रसारण कार्यकारी श्री बी० ए० राव, जो हम समय उपग्रह दूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद में निर्माता श्रेणी-2 के रूप में कार्य कर रहे हैं को उसी केन्द्र में 30 सितम्बर 1977 (शुक्रवाह्न) से आगे आदेश होने तक अस्थायी कार्यक्रम कार्यकारी नियुक्त करते हैं।

आर० के० खट्टर,
उप-निदेशक प्रशासन

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1977

स० 9-17/74-प्रशासन-1—मेवा निवृत्ति की आयु हो जाने पर, श्रीमती आर० कुटुप्पन, ट्यूटोर, राजकुमारी अमृत-कोर नर्सिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली से 30 सितम्बर, 1977 अपराह्न से सरकारी नौकरी में सेवानिवृत्त हो गई हैं।

दिनांक 7 नवम्बर 1977

स० ए० 11011/15/76-(वि० अ०)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० पी० के० सरिनी को 1 सितम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक विस्मिग्न अस्पताल व नर्सिंग होम, नई दिल्ली में दन्त शल्य चिकित्सक के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

डा० सरिनी ने 31 अगस्त, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली से दन्त शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1977

सं० 2-13/77-स्थापना (1)—श्री के० पी० श्रीनिवासन जो इस निदेशालय की अधिसूचना सं० 2-12/77-स्था० (1) दिनांक 15-6-1977 के द्वारा स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से कार्यरत रहे हैं को इस पद पर तत्काल से नियमित किया गया।

सं० 2 (13)/77-स्थापना (1)—श्री कृष्ण कुमार शर्मा जो इस निदेशालय की अधिसूचना सं० 2-6/77-स्थापना (1) दिनांक 16-8-1977 के द्वारा स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से कार्यरत हैं दिनांक 28-2-1978 तक इस पद पर अस्थायी रूप से स्थानापन्न रूप में कार्य करते रहेंगे।

चन्द्र प्रकाश,
निदेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1977

सं० 4-6 (69)/77-प्रशासन-III—विभागीय पदोन्नति समिति की सन्तुतियों के आधार पर निम्नलिखित अधिकारियों को, जो तदर्थ आधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप से काम कर रहे हैं, दिनांक 7 जुलाई, 1977 से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक—विपणन अधिकारी, वर्ग 1, नियुक्त किया गया है।—

- 1 श्री आर० ए० खानोरकर
- 2 श्री डी० के० घोष
- 3 श्री पी० एम० वशिष्ठ
- 4 श्री आर० के० व्याघरा
- 5 श्री ए० राघव राव
- 6 श्री उमेश कुमार
- 7 श्री एन० जे० पिल्ले
- 8 श्री ई० एस० पोलसे
- 9 श्री एन० गमरुद्दीन
- 10 श्री पी० ई० थोमस
- 11 श्री आर० एम० कटारिया
- 12 श्री के० एम० रेड्डी
- 13 श्री आर० एम० वर्मा
- 14 श्री के० एन० घुगन्धकर
- 15 श्री एम० सी० दाम
- 16 श्री डी० के० दाम
- 17 श्री सी० पी० गोपीनाथन नायर

- 18 श्री के० एन० राय
- 19 श्री एम० पी० जार्ज
- 20 श्री पी० वाई० सिरका
- 21 श्री बी० एम० भारद्वाज
- 22 श्री आर० पी० सचदेवा
- 23 श्री एन० बी० भट्टाचार्य
- 24 श्री ए० रमनकुट्टी
- 25 श्री टी० उन्नीकन्नन

सं० 4-6 (127)/77-प्रशा०-III—सद्य लोक सेवा आयोग की सन्तुतियों के अनुसार श्री राजेन्द्र सिंह को इस निदेशालय में नई दिल्ली में दिनांक 6 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) नियुक्त किया गया है।

बी० पी० चावला,
निदेशक प्रशासन
कृते विपणन सलाहकार

(प्रधान शाखा कार्यालय)

नागपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1977

सं० 74/15/72 वि० I—मै, जे० एस० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० (i) एस० आर० ओ० 3184 दिनांक 28 दिसम्बर, 1956 (ii) 83 दिनांक 29 जुलाई, 1961 (iii) 3752 दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 और (iv) 157 दिनांक 22 जून, 1963 और जी० एम० आर० 904 दिनांक 27 जून, 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को उपयोग करते हुए सर्वश्री एन० गोपाल, विपणन अधिकारी कालीकट, पी० रामचन्द्रन नायर, सहायक विपणन अधिकारी, बंगलौर और बी० बलराम मूर्ती, विपणन अधिकारी, बंगलौर को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से चन्दन तेल और निम्बूवाम तेल, जिसका श्रेणीकरण समय-समय पर सम्बन्धित सुगन्धित तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1954 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करना है।

दिनांक 5 नवम्बर 1977

सं० 74/15/72-विकास-I—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना सं० (i) एस० आर० ओ० 3184, दिनांक 28 दिसम्बर 1956 (ii) 83, दिनांक 29 जुलाई 1961 (iii) 3752 दिनांक 26 दिसम्बर 1955 और (iv) 157, दिनांक 22 जून 1963 और जी० एम० आर० 904 दिनांक 27 जून 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मै, जे० एस० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा श्री बी० एल० गोपालकृष्ण, वरिष्ठ रसायनज्ञ, सरकारी चन्दन तेल फैक्ट्री, मैसूर

को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से चन्दन तेल, जिसका श्रेणीकरण समय-समय पर संशोधित सुगन्धित तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1954 के अनुसार किया जा चुका है तथा जिसका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के उपबन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता है ।

जे० एस० उत्पल,
कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र

हैदराबाद-500762, दिनांक 26 सितम्बर 1977

सं० पी० ए० शार०/0704/2370—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, श्री पी० राजगोपालन, उच्च श्रेणी लिपिक को 1-9-77 से 25-9-77 तक की अवधि या आगामी आवेशों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, तदर्थ रूप से नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद, में सहायक कार्मिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं ।

यू० वासुदेव राव,
प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं० ए० एम० डी०-1/10/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, उसी प्रभाग के एक स्थायी सहायक प्रशासन अधिकारी श्री देवराज तुली को 24, अक्टूबर 1977 के पूर्वाह्न से लेकर 3 दिसम्बर 1977 के अपराह्न तक श्री श्रीकृष्ण मल्होत्रा, प्रशासन अधिकारी-II, जो छुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर पूर्णतः अस्थायी रूप से प्रशासन अधिकारी-II, नियुक्त करते हैं ।

सं० ए० एम० डी०-1/10/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, उसी प्रभाग के एक सहायक श्री लक्ष्मी नारायण को 24, अक्टूबर 1977 के पूर्वाह्न से लेकर 3 दिसम्बर 1977 के अपराह्न तक श्री देवराज तुली, जिनको अस्थायी रूप से प्रशासन अधिकारी-II, नियुक्त किया गया है, के स्थान पर पूर्णतः अस्थायी रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं ।

श्री लक्ष्मी नारायण उसी तिथि से उनके वर्तमान पद पर प्रत्यावर्तित कर दिए जाएंगे जिस तिथि से श्री देवराज तुली उनके वर्तमान पद सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर प्रत्यावर्तित होंगे ।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 नवम्बर 1977

सं० ई० (1) 01008—वैद्यशालाओं के महानिदेशक निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को स्थानापन सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नोचे दिए गए रूप में नियुक्त करते हैं ।

क्र० सं०	नाम	अवधि		जिस कार्यालय में तैनात किए गए हैं
		से	तक	
1	2	3	4	5
1. श्री हरनाम सिंह		12-9-77	9-12-77	परियोजना निदेशक, मानेक्स, नई दिल्ली ।
2. श्री के० एम० बैकटकृष्णन		17-9-77	14-12-77	वैद्यशालाओं के उप महा-निदेशक (उपकरण) नई दिल्ली ।
3. श्री ए० एन० चौपड़ा		17-9-77	14-12-77	
4. श्री छैल बिहारी		3-9-77	29-10-77	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली ।
5. श्री एच० एम० कुमार		3-9-77	30-11-77	
6. श्री डी० के० रायपाल		17-9-77	14-12-77	
7. श्री एस० एन० मेहरा		1-9-77	13-11-77	
8. श्री ए० के० मेहरा		31-8-77	27-11-77	
9. श्री डी० सिन्हा		1-9-77	28-11-77	मौसम केन्द्र, गौहाटी ।

सं० ई० (1) 05481—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री एस० एन० भान को 26-10-77 से 22-1-78 तक नवासी दिन की अवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भान, स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही तैनात रहेंगे।

एम० आर० एन० मणियन,
मौसम विज्ञानी
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० ए० 32013/13/76-ई० एम०—राष्ट्रपति ने श्री एम० आर० गोपालकृष्ण, वरिष्ठ विमान निरीक्षक, नागर विमानन विभाग को, जो कि इस समय ओमान सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं, 4 जुलाई, 1977 से तथा अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक/नियंत्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्नति प्रदान की है।

वि० वि० जोहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्तूबर 1977

सं० ए० 12025/8/77-ई० एस०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने निम्नलिखित अधिकाधिकारियों के नागर विमानन विभाग में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विमान सुरक्षा अधिकारी (इंजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त किया है।

क्र सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैनाती स्टेशन
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री मदन लाल नागर	9-6-1977 (पूर्वाह्न)	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, नई दिल्ली।
2.	श्री कनु गोहेन	26-8-1977 (पूर्वाह्न)	महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, नई दिल्ली।
3.	श्री बिमल कुमार श्रीवास्तव	25-8-1977 (पूर्वाह्न)	क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई का कार्यालय।

दिनांक 31 अक्तूबर 1977

सं० ए० 12025/6/77-ई० एस०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्री बी० आर० चोपड़ा को 29 अप्रैल, 1977 पूर्वाह्न से उपनिदेशक विमान सुरक्षा (इंजीनियरी)/क्षेत्रीय नियंत्रक विमान सुरक्षा (इंजीनियरी) के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें महानिदेशक नागर विमानन, नई दिल्ली के कार्यालय में उपनिदेशक विमान सुरक्षा (इंजीनियरी) के रूप में तैनात किया है।

सं० ए० 12025/8/77-ई० एस०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्री लक्ष्मी नारायण लाल को नागर विमानन विभाग में 18 अक्तूबर, 1977 से या अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न रूप में विमान सुरक्षा अधिकारी (इंजी०) के पद पर नियुक्त किया है और उनको महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय, नई दिल्ली में तैनात किया है।

मुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1977

सं. ए० 38012/1/77-ई० सी०—श्री एम० के० कस्तूरी रंगन, संचार नियंत्रक, वैमानिक संचार स्टेशन, मद्रास ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 30-9-77 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं. ए० 38013/1/77-ई० सी०—नियंत्रक संचार, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई के श्री जी० बी० दामले ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त हो जाने पर 30-9-77 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं. ए० 32014/1/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी०के० ई० शर्मा, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई को श्री पी० आई० डेविड, सहायक संचार अधिकारी की अर्जित छुट्टी के कारण हुई रिक्ति में 23-9-77 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं. ए० 12025/8/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन० शर्कर को 28-9-77 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन में स्थानापन्न रूप में तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, सफ़दरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय में तैनात किया है।

सं. ए० 38012/1/77-ई० सी०—क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय के श्री बेबी बरगीस, संचार अधिकारी ने निवृत्त आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 30-9-77 (अपराह्न) में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सत्य देव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं. ए० 32013/14/77—राष्ट्रपति ने श्री के० बी० गनेशन, निदेशक अनुसंधान और विकास को 25-10-77 से

31-1-78 तक या श्री पी० के० रामाचन्द्रन के वापस आने इनमें से जो भी पहले हो तक तदर्थ आधार पर उप महानिदेशक नागर विमानन के ग्रेड में नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

सं. 1/443/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक द्वारा स्विचिंग कामलेखन, बम्बई के तकनीकी सहायक श्री एम० बी० ओवण्डे को अल्पकालीन खाली जगह पर 29-8-77-10-77 (बीजे) दिन सहित) तक की अवधि के लिए कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त है।

पा० कि० गोविन्द ना
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहर्तलिय

बड़ौदा, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

सं. 9/77—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा वर्ग 'ख' स्थानापन्न रूप से कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक श्री एम० डी० पटेल दिनांक 31-7-77 के अपराह्न से से निवृत्त हो गए हैं।

कु० श्री० दिनीपी
समाहर्त
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ौदा

इन्दौर, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं. 11(3)2-गोप०/77/1356—श्री आर० जी० डगोले अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर अधीक्षक के० उ० शुल्क बहुपवीय रेंज कार्यालय- I इन्दौर का कार्यभार दिनांक 27-8-77 के अपराह्न से संभाल रहे हैं।

श्री एस० एल० गुप्ता अधीक्षक के० उ० शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर अधीक्षक (निवारक) प्रभाग खालिय का कार्यभार दिनांक 30-8-77 के पूर्वाह्न से संभाल रहे हैं।

सं. 1(3)2-गोप०/77/1357—श्री आर० जी० पंडित प्रशासकीय अधिकारी केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर प्रशासकीय अधिकारी (मुख्यालय) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क मुख्यालय इन्दौर का कार्यभार दिनांक 3-10-77 के पूर्वाह्न से संभाल रहे हैं।

श्री आय० एम० खान परीक्षक (लेखा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पवोन्नत होने पर परीक्षक (लेखा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय इन्दौर का कार्यभार दिनांक 1-10-77 के अपराह्न से संभाल रहे हैं।

मनजीत सिंह बिद्रा
समाहर्ता

मद्रास-34, दिनांक 16 अगस्त 1977

सी० सं० 11/3/22/77-संस्थापन—केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क समाहर्तालय, मद्रास के निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक, समूह 'ख', अधिवापिकी की आयु प्राप्त करने पर

उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से सेवा-निवृत्त हो गए हैं —

क्रम सं०	नाम	सेवा-निवृत्ति की तारीख
1.	श्री एस० पद्मानाभन्	31-5-77 दोपहरबाद
2.	श्री डी० बी० अनुग्रहम्	31-5-77 दोपहरबाद
3.	श्री ए० बी० अरुणाचलम्	30-6-77 दोपहरबाद
4.	श्री एच० रामचन्द्रन्	31-7-77 दोपहरबाद
5.	श्री टी० ए० महादेवन्	31-7-77 दोपहरबाद
6.	श्री एम० सबारीमुथु	31-7-77 दोपहरबाद

आई० जे० राय
समाहर्ता

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० 23/2/77-ई० सी०-11—इस कार्यालय की दिनांक 19 अगस्त, 1977 की इसी मस्य्या की कार्यालय अधिसूचना में आशिक संशोधन करते हुए श्री के० के० गुप्ता की वाइध्वय की तारीख नीचे लिखी मानी जाए। इसका आधार यह है कि कलकत्ता विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा प्रमाण-पत्र के अनुसार श्री के० के० गुप्ता की जन्म तिथि 1 अगस्त, 1919 है।

क्र० सं०	नाम	जन्म तिथि	सेवा निवृत्ति की तारीख	सेवानिवृत्ति के समय पदनाम
1	2	3	4	5
1	श्री के० के० गुप्ता	1-8-1919	31-7-1977	कार्यपालक इंजीनियर (मूल्यन), आयकर विभाग, जमशेदपुर।

सु० सू० प्रकाश राय,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० 27/52/76-ई० सी०-9—राष्ट्रपति श्री बी० आर० क्षीरसागर वास्तुक, सलग्न वरिष्ठ वास्तुक (एच० एण्ड टी० पी०) II, केन्द्रीय कार्यालय, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त त्यागपत्र इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से स्वीकार करते हैं।

10-8-77 में इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तिथि तक की अनुपस्थिति की अवधि बिना वेतन अमाधारण अवकाश करार दी जाती है।

डी० पी० ओहरी,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते प्रमुख इंजीनियर

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

विषय —मध्य, दक्षिण और दक्षिण मध्य रेलो पर अधिकार-क्षेत्र सम्बन्धी समायोजन।

सं० 77-ई० बी०/1514—एतद्वारा सर्वसूचनार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि मध्य, दक्षिण और दक्षिण मध्य रेलो के अधिकारक्षेत्रों में 2-10-1977 से निम्नलिखित समायोजन किए गए हैं —

- (1) शाहवाद/वादो-रायचूर खण्ड को छोड़कर दक्षिण-मध्य रेलवे के शोलापुर मंडल को मध्य रेलवे में मिला दिया गया है।
- (2) आरकोणम (रहित)—रेणिगुण्टा (रहित) खण्ड को छोड़कर दक्षिण रेलवे के गुन्तल्लु मंडल को दक्षिण मध्य रेलवे में मिला दिया गया है।

- (3) शाहाबाद-वादी-रायचूरु खण्ड को नए गुन्कल्लु मंडल के साथ जोड़ दिया गया है।
- (4) मध्य रेलवे के भुसावल मंडल के मतमाड़-घोंड खण्ड को नए शोलापुर मंडल में मिला दिया गया है।
- (5) आरकोगम (रहित)—रेणिगुण्टा (रहित) खण्ड को दक्षिण रेलवे में ही रखा गया है और यह मद्रास मंडल का भाग होगा।
- (6) दक्षिण रेलवे का गुडूर स्टेशन/गार्ड क्षेत्र दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल में अन्तर्गत किया गया है।

बी० मोहन्ती,
सचिव,
रेलवे बोर्ड एवं
पदेन संयुक्त सचिव

दक्षिण मध्य रेलवे

प्रधान कार्यालय

कार्मिक शाखा

सिकन्दराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1977

स० पी० 185/गजट/टी० सी०—श्री डी० राजाराव, भारतीय रेल यातायात सेवा (परिवीक्षाधीन) के अधिकारी को उसी सेवा में श्रेणी 1 अवर वेतनमान में 12-7-77 से स्थायी किया जाता है।

टी० एम० तोमस,
महाप्रबन्धक

पूर्ति तथा पुनर्वास मंत्रालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 7 नवम्बर 1977

स० जी० 318/ए०—श्री पी० के० चक्रवर्ती, प्रधान लिपिक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा बम्बई जो कि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता का अधिसूचना स० जी० 318/ए० दिनांक 2-9-77 के अनुसार दिनांक 19-7-77 से उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड II के रूप में नियुक्त किए गए थे पुनः दिनांक 1-9-77 के पूर्वाह्न से राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा, बम्बई में प्रधान लिपिक के रूप में परिणित किए गए।

वी० सी० विरवास,
युग्म निदेशक,
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोलूर टी प्लान्टेशन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 नवम्बर 1977

स० 1167/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोलूर टी प्लान्टेशन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजामणी चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 नवम्बर 1977

स० 5634/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि राजामणी चिट फंडस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

के० पञ्चापकेशन,
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिन्दुस्तान स्टेण्डर्ड (दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

स० 2843/210/8—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिन्दुस्तान स्टेण्डर्ड दिल्ली प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

आर० के० अरोडा,
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स चलचित्र डीस्टी-ब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

स० एस० ओ०/414/77-3875 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स चलचित्र डीस्टी-ब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

डी० के० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
उड़ीसा

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री हारिक्रि आली, सचिव, आसाम सरकार, दिसपुर, गौहाटी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती दुर्गा देवी गुप्ता, सपत्नी, श्री के० मि० गुप्ता, लोअर मतिनगर, शिलांग।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 5 नवम्बर 1977

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० ए०-140/शिलांग/77-78/899-95—अन, मुझे, एगवार्ट सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० पट्टा सं० 1 (ए०) है तथा जो लोअर मतिनगर, शिलांग में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1977 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3—346GI/77

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समवर्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के नापतोल 3024 वर्गफुट साथ में एक मकान जो लोअर मतिनगर, शिलांग में मालिक के स्थित है और उसके पट्टा सं० 2 (ए) है।

एगवार्ट सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख : 3 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप धार्ई० टी० एन० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० 28/आर०-II/कल/77-78:—अतः, मुझे, आर० वी० लालभौया, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 23-ए०/17-एस० है तथा जो डायमंड हारवार रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, अलिपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० बि इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट 20, विपल्व रास बिहारि नभु रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(3) श्री विजय कुमार गुप्त 32-ए० कानि गुद, कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट नं० 2 सि० परिमाण 2730 स्कु० फीट नं० 23-ए०/27-एस० डायमंड हारवार रोड, कलकत्ता, अलिपुर ।

आर० वी० लालभौया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक धायकर आयुक्त, (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता ।

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8 नवम्बर, 1977 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

54, रफी अहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० 19/आर०-II/कलकत्ता/77-78 —

अतः, मुझे, आर० वी० लालभौया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 23 ए०/27-एस है तथा जो डायमण्ड हारवार रोड स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, अलिपुर नदर, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स जे० बि० इन्वेस्टमेन्ट ट्रस्ट 20, बिकवि एस बिहारि बामु रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुरजित सि० मिरडि 23-5/27 प्रस डायमण्ड हारवार रोड, कलकत्ता-53

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लेट न० 2 ए०, (दूसरी मंजिल) परिमाण 2456 स्कु० फुट० नं० 23 ए०/17-एस०, डायमण्ड हारवार रोड, कलकत्ता ।

आर० वी० लालभौया,

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 54 रफी अहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 8 नवम्बर, 1977 ।

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी०-20/आर०-II/कलकत्ता-77-78:--
अतः, मुझे आर० सी० लालभौया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 23 ए०/17-एम० है तथा जो डायमण्ड हारबर
रोड, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार,
अलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, 24-3-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री जे० बि० इनवेस्टमेंट ट्रस्ट 20, विप्लवी राम
विहारि रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री रसिन्द्र मोहन मुखरार जी और प्रीतिलता मुखरारजी,
2-डि०, 23-5/27 एस डायमण्ड हारबर रोड,
कलकत्ता-53 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लेट 2-डि० (फर्स्ट फ्लोर) 1 परिमान--2660 स्क्व० फीट
न० 23-ए०/27-एम०, डायमण्ड हारबर रोड, कलकत्ता ।

आर० सी० लालभौया,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद क़िदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख - 8 नवम्बर, 1977 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री मैसर्स उषा टेलिह्यूट लि०,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर, 1977

निर्देश म० ए० मि०-21/अर०-II/कन/77-78 ---अतः,
मुझे, आर० बी० लालमाविया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो मौजा-चन्दननगर, पि० एम० महेरातला
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ
एसुरेन्मेंस कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 25-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के प्राप्ति से
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(2) मैसर्स उषा एंजलम हाईड्रालिक इंजुपमेन्ट लि०,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप ---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मौजा चन्दननगर, पि० एम० महेरातला में 6 बिघा 14
कड़ा 5 छटाक 16 2 स्को० फुट जमिन है।

आर० बी० लालमाविया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज II, कलकत्ता

तारीख : 9 नवम्बर, 1977
मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-II पूना जून 77/345/77-78—
यतः, मुझे, श्रीमती पी० ललबाणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिनकी सं० प्लॉट बी० सि० एस० न० 1010 श्रीनगर;
पूना-16, ह तथा जो पूना

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हवेली-II, पूना में, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः:—

(1) श्री 1 ए० एल० जोशी, 2. श्रीमती इंदिरा एस०
जोशी, 3 श्री अनिल एल० जोशी, फ्लट नं०
सातारा।

(अन्तरक)

(2) श्री पुष्पमाला को ऑप० हाउसिंग को० लि० प्लॉट नं०
371, मि० एस० नं० 1010 शिवाजी नगर पूना-16
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्द्वारा कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्समर्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का टुकड़ा (प्लॉट 'बी') जो मि० एस० नं०
1010 शिवाजी नगर, पूना-16 में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 944
वर्ग मीटर है। (जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 676 सब
रजिस्ट्रार हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललबाणी,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जुन रंज, पूना

तारीख : 31 अक्टूबर, 1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

(1) श्री व्ही० बाय० जोशी, 206 नारायण पे०, पूना-2।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

(2) पुष्पमाला को-ऑपरेटिव्ह हाउसिंग सोसायटी
लिमिटेड, प्लॉट न० 371, 1010 शिवाजीनगर,
पूना-16।
(अन्तरिती)

(4) सोसायटी के 16 सदस्य।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-II, पूना/जून 77/346/77-78—
यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवाणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सी०, सि० एम० में 1010 शिवाजी नगर,
पूना-16 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हवेली-II, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिम्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का (प्लॉट "सी") टुकड़ा जो सि० एम० न०
1010 शिवाजीनगर पूना-16 में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 944
वर्गमीटर है। (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 321, सब-
रजिस्ट्रार हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवाणी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, पूना.

तारीख : 31-10-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना-41004, दिनांक 31 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० सी० ओ०-5/हवेली-II/पूना/मई/77/344/77-78--यतः मुझे, श्रीमती पी० लखवाणी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० टी० एन० क्रमांक 798 है तथा जो भवानी पेठ, पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), 'रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली- पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में; मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) 1. श्रीमती कमला एस० तुलसियानी, 2. श्रीमती पुष्पा ईश्वरदास तुलसियानी, 3. श्री थावरदास चदूलाल तुलसियानी पार्टनर्स आफ तुलसियानी बिल्डर्स, 506 मेकर भवन न० 3, 21 न्यू मरीन लाईन्स, बम्बई-20।

(अन्तरक)

(2) तुलसियानी इस्टेट को-आप० हाउसिंग सोसायटी, लिमिटेड, 798 भवानी पेठ, पूना-2।

(अन्तरिती)

(4) 71 फ्लैट ओनर्स

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और उसके ऊपर का मकान जिसमें 71 फ्लैट्स बांधे हुए हैं। जिसका सी० टी० एन० न० 798 भवानी पेठ पूना-2 है। जिसका क्षेत्रफल 2100 वर्ग यार्ड है। (जैसेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख क्रमांक 567 सब-रजिस्ट्रार, हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० लखवाणी

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 31-10-1977

मोहोर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एन्वी/भोपाल/77/78/894—

अतः मुझे रा० कु० बाली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषय वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कृषिभूमि है, जो बुरहानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 183-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—346GI/77

(1) 1. श्री बाबू राव, 2. श्री साहेब राव, 3. श्री मुरली-धर, 4. श्री तारा चन्द सभी पुत्र श्री मीठा राम, 5. श्रीमती वच्छलाबाई पुत्री श्री मीठा राम पाटिल, 6. श्रीमती येनु बाई पत्नि श्री मीठाराम, सभी निवासी ग्राम बादखेड़ा, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकांत, 2. श्री जयन्ती लाल, दोनों पुत्र श्री धनू लाल बीमा नागर महागर, प्रतापपुर, बुरहान-पुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि खसरा न० 131, 132 क्षेत्रफल 11.66 एकड़ साथ कुआं व पेड़ स्थित ग्राम बादखेड़ा, बुरहानपुर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख : 5-11-1977.
मोहर।

प्रकृप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए०/भोपाल/77-78/895—
अतः मुझे, रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 16-3-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
शक्तिव में कमी करने या उममें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिवा. अर्थात् :—

- (1) डा० हेमन्त वुज श्री कमलाकार जादव निवासी 20,
कल्पना लोक कालौनी, खजुरानी रोड, इन्दौर।
(अन्तरक)
- (2) 1 श्री सदीप कुमार, 2. श्री नीलेश कुमार दोनों पुत्र
श्री वीरेन्द्र कुमार निवासी 18, धानू मार्केट, इन्दौर
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्यधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट स्थित भीमपथ कालौनी, विद्यार्थि सं० 11/13,
इन्दौर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज भोपाल,

तारीख : 5-11-1977.
मोहर :

प्ररूप आई० टी०एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश म० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/896—

अतः मुझे, रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और

और जिसकी म० मकान है, जो रतलाम में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रतलाम में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1 श्री हीरा लाल पुत्र श्री केदार शर्कर, 2. श्री नरपति लाल पुत्र श्री दारूलाल, 3. श्री प्रीतम लाल पुत्र श्री धीरज लाल, 4. श्री स्वामी जी परमानन्द मारस्व, 5. श्री नन्द किशोर पुत्र श्री किशन लाल, 6. श्री गोबिन्द लाल पुत्र श्री हंत लाल, 7. श्री अम्बा लाल पुत्र नाथू लाल, 8. श्री ईश्वर लाल पुत्र श्री कन्नी लाल, 9. श्री हिम्मत लाल पुत्र श्री नानक लाल, 10. श्री नलिन किशोर पुत्र श्री किशन लाल, 11. श्री नवनीत लाल पुत्र श्री नाथू लाल सभी निवासी बासवाड़ा (अन्तरक)

(2) 1 दी कलाथ मर्चेंट एसोसिएशन, बजाज खाना, रतलाम द्वारा 1. श्री फकीर चन्द, 2. श्री तिहाल चन्द, 3. श्री राजमल, 4. श्री फकीर चन्द, 5. श्री समरमल, 6. श्री सुजान मल, सभी निवासी बजाज खाना, रतलाम। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई मंजिल मकान स्थित बजाज खाना, रतलाम।

रा० कु० बाली,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-11-1977.

मोहर :

प्रश्न आई. टी. एन. एस.—

(1) पंडित लीलाधर जोशी पुत्र श्री हरीशचन्द्र जोशी, निवासी
शुजाल पुर नगर मं० प्र०।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्सी/भोपाल/77-78/897—

भतः मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो शुजाल पुर में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, शुजालपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-3-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) श्रीमती अहिल्या बाई पत्नि श्री जानकी लाल शिवहरे
निवासी मकान नं० 36, लोहीया मार्ग, शुजालपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 39, लोहीया मार्ग, शुजालपुर।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, भोपालतारीख : 5-11-1977.
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० सी० आर० न० 62/9580/76-77/एवम्/बी— यत मुझे, जे० एस० राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/1 है, तथा जो संपिंग रोड, (मल्लेश्वरम्) बंगलूर-560003 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम् में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) दि. करनाटका स्टेट फैनामियल कारपोरेशन, सं० 25, शकरनारायण बिल्डिंग, एम० बी० रोड, बेंगलूर-1 (अन्तरक)

(2) लाइफ इन्शोरेंस कारपोरेशन आफ इंडिया, (योग-वक्षेम्) जीवन बीमा मार्ग, मुबई-400021 और डिबिज़नल कार्यालय जीवन प्रकाश, जे० सी० रोड, बेंगलूर-560002।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3309/76-77, ता० 30-3-77]

सारा संपत्ति का सं० 1/1, II मैन रोड, मल्लेश्वरम्, बेंगलूर, (डि० सं० 9)

बाध:—पू : सपिंग रोड, (II मैन रोड)

प : मैसूर स्पनिंग और मैन्यूफैक्चरिंग क० लिमिटेड

उ : सपिंग थियेटर

द : मैसूर स्पनिंग और मैन्यूफैक्चरिंग क० लिमिटेड

जे० एस० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 31-10-1977.

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/9005/76-77—यतः मुझे

जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 399, (खाली जमीन) है, तथा जो राजा महल विलास एक्स्टेशन हाल बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1977 (द० वॉ० न० 2529/76-77 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भले यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री श्रीराम देवराजन्, वि एम० बी० देवराजन् के पुत्र न० 127, आठवां क्रॉस रोड, एन० आर० कालोनी बंगलूर-19।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० आर० गेशात्री, दि० एन० रामस्वामी गय्यगार। अविभक्त कुटुंब के कर्ता। न० 21, क्रैमेट रोड, बंगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2529/76-77, ता० 10-3-77]

सारा संपत्ति न० 399, राजा महल विलास एक्स्टेशन, बंगलूर, जो दस्तावेज न० 2529 ता० 10-3-77 में दिखाया गया है, और जो रजिस्ट्रीकर्ता गांधीनगर के कार्यालय में रजिस्टर हो गया है।

जे० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख 31-10-1977
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी आर० सं० 62/9240/76-77/एक्यु०/डी—

यत. मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से
अधिक है

और जिसकी सं० 13 ए० है, तथा जो 6वा क्राम, हचिनस रोड, सेंट
थामस टोम बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
शिवाजी नगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
26) के अधीन ता० 30-1-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सारम्मा पत्नी श्री बी. बी० जान सं० 27/9,
दामोदर मोहनियार स्ट्रीट, अलमूर, बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री (1) जान मीनक्लीयर फ्लवर और उनका पत्नी
(2) आइरी फ्लवर न० 51, स्टीफन रोड,
बंगलूर-5 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2587/76-77 ता० 30/3/77)

मारा संपत्ती का सं० 13-ए०, 6वा क्राम, हचिनस रोड,
सेंट थामस टोम, बंगलूर-5

बाध . उ० : 6वा क्राम हचिनस रोड,

द० : सं० 1, 5वा क्राम, हचिनस रोड,

पू० : सं० 13, 6वा क्राम, हचिनस रोड,

प० : हचिनस रोड ।

जे० एस० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, बंगलूर

तारीख 5 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी०आर० 62/9033/76-77/एक्यू०/डी०---यतः,

मुझे, जे० एम० राव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 72 है, तथा जो शंकरा पार्क, शंकर मठरोड़,
शंकर पुरम, बेगलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बसवनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन ता० 9/3/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री अभिनय विद्या तीर्थ महास्वामि मंलवरू, जगदगुरु
आफ श्री सरदापीठ, त्रिगेर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज लक्ष्मी पत्नी स्व० बी० नंगंडमट्टी,
म० 168, 1st मैन रोड, चामराजपेट, बेगलूर 18 ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2021/76-77 ता० 9/3/77]

माम सपत्ती का सं० 72, शंकर पार्क, शंकरमठ रोड़,
शंकर पुरम, बेगलूर ।

बाध : पू० : कास रोड़

प० : दूसरा का० (पारवतम्मा का)

उ० :

द० : विद्या शंकरास प्रापरटी

जे० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बेगलूर

तारीख . 5 नवम्बर, 1977
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी० आर० न० 62/9031/76-77/एम्पु०/बी ---

यत, मुझे, जे० एम० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से अधिक है

और जिसकी सं० 111 है, तथा जो शंकर पार्क, शंकर मठ रोड, शंकर पुरम, बेगलूर-4 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बमबनगुडी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9/3/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

5- 346GJ/77

(1) श्री अभिनव विद्यावीर्य महा स्वामिगलवड्ड, जगदगुरु, आफ श्री शारदा पीठ श्रीगेरि।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एम्० जय्यम्मा पत्नी श्री एम्० एन० सदाशिवय्या, सं० 11, शंकर मठ रोड, शंकर पार्क, शंकर पुरम, बेगलूर-11

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

टिप्पणीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2022/76-77, ता० 9/3/77)

मारा संपत्ती का जो सं० 111, शंकर पार्क शंकर मठ रोड, शंकर पुरम, बेगलूर-4।

बाध पू० शंकर मठ रोड
प० : दुमरा का
उ० : मठ का
द० :

जे० एम० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बेगलूर

तारीख : 5 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 7 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/9066/76-77/एक्यू०/बी०—
यतः, मुझे, जे० एम० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है
और जिनकी सं० 2123/1 है तथा जो 8वा क्रम, कल्लिकेटे दासप्पा
एक्स्टेंशन में स्थित है (और इससे उपाध्व अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्नपट्टना
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 5/3/77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री (1) रामचन्द्र, (2) गोपाल कृष्ण, (3)
(3) चिन्मयानन्द, पेटे, चन्नपट्टन टौन, चन्नपट्टना ।
(अन्तरक)

(2) श्री बै० एस० रागवय्या, सुपुत्र यजमान श्रीनिवासय्या,
पेटे, चन्नपट्टन टौन ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2635/76-77, ता० 5/3/77) ।

सारा सम्पत्ति का जो सं० 2123/1, 8वा क्रम, कालीकेरी
दामप्पा ब्लाक एक्स्टेंशन, चन्नापट्टना (मुनिसिपल 'ए' डिविजन),
बांध : व० : रोड़

उ० : प्रैक्ट प्रापरटी

पू० :

प० :

जे० एम० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बेंगलूर

तारीख : 7-11-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी० आर० न० 62/9031/76-77/एक्यु०/बी०:-

यत मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और ज़िमकी सं० 4 है, तथा जो फर्स्ट क्लास, नवा कलासी पाल्यमा बंगलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बमबनगुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 7/3/77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती (1) गोविन्दम्मा पत्नी स्व० बी०तायप्पा (2) श्री बी० टी० शंकर सुपुत्र स्व० बी० तायप्पा सं० 176, चौथा ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर।

(अन्तरक)

(2) श्री (1) ए० चगप्पा नायडु सुपुत्र स्व० ए० रगप्पा नायडु (2) श्री ए० सी० कुप्पस्वामी नायडु, (3) श्री ए० सी० राजगोपाल नायडु, (4) श्री ए० सी० केशवप्पा नायडु सुपुत्र ए० चगप्पा नायडु सं० 3-4, होल लेन बमार स्ट्रीट, श्री कृष्ण राजेन्द्र मारकेट, बंगलूर-2।

(अन्तरिती)

(3) मैसर्स एम० बी० ट्रांसपोर्ट जिदाल रोड, वेज ए० पी० खाजिर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2011/76-77, ता० 7/3/77)।

सं० 4, नवा कलासी पाल्यमा, 1वा क्रास, बंगलूर (डि०-39),

बाध पू० : सं० 5, हनुमथराव का

प० : 3, मुनिचिन्तपप्पा का

द० : 2,

उ० : रोड

जे० एस० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज, बंगलूर

तारीख : 9 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

सं० नं० 474—यत् मुझे, एन० के० नागराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4-1-40 है, जो गुंटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-4-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा 1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री (1) एम० कुटुम्बराय, (2) एम० विजयाराय, (3) एम० गोपालराय, (4) एम० कृष्ण कुमारराय, (5) एन० श्रीराम मूती सिकन्दराबाद गुंटूर।

(अन्तरक)

(2) श्री (1) एम० राजगोपालराय, (2) एस० गोवरधन, (3) एम० सौभाग्य लक्ष्मी, मार्फत एम० राज गोपालराय गुंटूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुंटूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक अत 15-4-77 पजीकृत दस्तावेज नं० 1209/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 25 अक्टूबर, 1977।

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हुवली

धारवाड-580004, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश सं० 195/77-78/अर्जुन—यत, मुझे, डि० सि० राजगोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अयसमेट न० 556 से 560 तक 1 म्युनिसिपल खारा न० 514, है, जो मंगलूर-बगलूर रोड, साकलेसपुर टाऊन, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, साकलेसपुर टाऊन अंडर डाकुमेट न० 1323/76-77 दिनांक 28-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री बि० एम० चन्द्रशेखर, हातररि सेक्टर, मुजेध्वर बलब, साविलसपुर, हरन-जिला ।

(अन्तरक)

(2) डा० बि० टि० नारायणन, टेकनिकल अडबेयर और जनरल पावर आफ आर्टिनि होल्डर सीमि इम्पेट, साकलेसपुर, हासन-जिला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

खुला मैदान बिल्डिंग और आकार के साथ है । मुनिसिपल का न० 556 से 560 तक मुनिसिपल का खारा न० 514, बगलूर और मंगलूर के सड़क पर है । साकलेसपुर का टाऊन ।

खुल विस्तार—पूरब कि ओर 6 फीट के विस्तार कुशलनगर रोड के यहाँ है ।

पश्चिम का ओर—हामन मंगलूर का रोड़ पर 182 फीट है । उत्तर के ओर—बाकि जगा यहाँ है और इसका विस्तार 220 फीट अदिक 300 फीट है । और दक्षिण के ओर सरकारी हाई स्कूल है । और उसका सर्वे न० 132 । खुला विस्तार इस बाग में 272 फीट अदिक 208 फीट है ।

डी० सी० राजगोपालन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, धारवाड

दिनांक : 5 नवम्बर 1977

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 अक्तूबर, 1977

निर्देश सं० आय० ए० सी०/अर्जन/49/77-78—यतः, मुझे, एच० सी० श्रीवास्तव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिमकी सं० न० 727/2, प्लॉट नं० 37 है तथा जो सेंट्रल सेंट्रल एवेन्यू रोड, नागपुर में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुमूर्ची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुरूप से, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल रामचंद्र खड़गी, (2) श्री पुरुषोत्तम रामचंद्र खड़गी, (3) श्री भारती रामचंद्र खड़गी, सभी रहने वाले सं० न० 15/21, नागपुर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री सुनीलकुमार दौलतराम खूपलानी, (2) श्री राजेशकुमार दौलतराम खूपलानी, सभी रहने वाले नागपुर के हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 727/2, प्लॉट न० 37, 2573 स्कैअर फुट, बार्ड न० 35 मर्कल न० 16/22, सेंट्रल एवेन्यू रोड, नागपुर।

एच० सी० श्रीवास्तव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 26 अक्तूबर, 1977।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, जयपुर

जयपुर तारीख 8 नवम्बर 1977

निर्देश संख्या राज/समाप्तानि (अर्जन)/375—यन मुझे चुन्नी लाल सहायक आयकर आयुक्त, अर्जन रेंज रोहतक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269B के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान, बार्ड न० 4 है तथा जो हनुमान गढ़ टाउन में स्थित है, (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री परतू राम उर्फ प्रताप चन्द्र पुत्र श्री मंगल चन्द ओमवाल, निवास मक्कासर तहसील हनुमानगढ़ (अन्तरक)
- (2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री पराग चन्द अग्रवाल निवासी हनुमान गढ़ टाउन, तहसील हनुमान गढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान मित्रका क्लोथ स्टोर हनुमान गढ़ टाउन के सामने बार्ड नम्बर 4 में जो और विस्तृत रूप से उप पंजीयक, हनुमान गढ़ द्वारा क्रमांक 161 दिनांक 5-3-77 को पंजीबद्ध व विक्रय पत्र में विवर्णित है।

(चुन्नी लाल)
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख 8 नवम्बर, 1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई.

बम्बई तारीख 5 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० अ० ई० 1/1991-19/मार्च-77—अतः मुझे
एफ० जे० फर्नान्डीज्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 1/556 का माला० कम्बा०
गालिया टक रोड हिल डिवीजन में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध
अनुसूची में और में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी बेहराम के० दुबाण, 2, श्रीमती
नाजो के० भाभा, 3. हिलानादिर दिनशाव
(अन्तरक)

(2) श्री मिरजा हमन बाग

(अन्तरिती)

(3) किराएदार.

(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनियम नं० 2487/76 बम्बई उप रजिस्ट्रार
अधिकार, द्वारा दिनांक 9-3-77 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एफ० जे० फर्नान्डीज्

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन इलाका-1 बम्बई

तारीख: 5 नवम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, 4 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए०आर०-II/2488-13/मार्च 1977--अतः मुझे वी० एस० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० फाईनल प्लॉट नं० 795 टी० पी० एस० III है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री जीवन लाल उगर चन्द शाह

(अन्तरक)

(2) श्री न्यू० काममौस कमर्शियल प्रिवासीस सोसायटी लिमिटेड

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री ईश्वरदास टी० मूलचन्द

6-346GI/77

2. श्रीमती विना प्रमिला पारिख
3. श्रीमती विमलाबेन कानिलाल शाह
4. श्री किशन चन्द एच०
5. जे० होतचन्द
6. श्री वसंत सी० पटेल
7. श्री बिपिनचन्द वी० शाह
8. श्री बलवंतराय जे० सपन
9. श्री अरविंद जी० मलकन
10. श्री किशोर वी० सधराजका
11. श्रीमती लक्ष्मी टिकमदाग

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

- (4) 1. श्री बिपीनचन्द वृजलाल शाह
2. श्री छबिलदाम मोहनलाल पारिख
3. श्री अरविंद गिरधरलाल मालकन का भागीदार मेसर्स, काममास कन्स्ट्रक्शन क०, 60, स्कशमनी निवास, गिरगाम रोड, बम्बई-4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख न० 4090/69/आर० बम्बई उप-रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 11-3-77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

वी० एस० महाजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख : 4-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर तारीख, 3 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एम० आर०/30/77-78—यतः सधे एस० के० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी भ० भूमि जो ग्राम अंतर्गत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तहसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात्:—

(1) श्रीमती कुमारी सतवन्त कौर, मजीत कौर, चहदामन कौर दर्शन कौर, बलजीत कौर, पुत्रीगण श्री उद्यमसिंह उर्फ हरी सिंह पुल गंडा सिंह, निवासी ग्राम अतवाल, तहसील एवं जिला-अमृतसर

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री जोगिन्दर सिंह, भूपेन्द्र एवं गुरिन्दर सिंह पुलगण श्री उद्यमसिंह निवासी ग्राम-अतवाल, तहसील एवं जिला-अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि योग्य भूमि क्षेत्रफल के० एम० 48-8 ग्राम-अतवाल जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 6103 मार्च 1977 में रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी तहसील-अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 3 नवम्बर 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर तारीख, 3 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एस० आर०/31/77-78—अतः मुझे एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 38 है तथा जो गोपाल नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी, कार्यालय गहर अमृतसर में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती दूर्गा देवी विधवा मुलकवन सिंह 76-सी० लारेस रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री रोशन लाल, रमेश कुमार नारिंदर कुमार पुत्रगण श्री रखाराम निवासी 38- गोपाल नगर, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो संपत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो स्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38, गोपालनगर, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2045 मार्च, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गहर-अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर तारीख, 3 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एस० आर०/32/77-78—यतः मुझे एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो ग्राम चिटकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और सूर्य रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तहसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती लक्ष्मी विधवा श्री आल्ला सिंह पुत्र श्री नाथा सिंह, निवासी ग्राम-चिटकोट, तहसील एब जिला-अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र श्री आल्ला सिंह पुत्र श्री नाथा सिंह निवासी ग्राम-चिटकोट, तहसील एवं जिला-अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पथों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि क्षेत्रफल के० एम० 35-5, ग्राम-चिटकोट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सख्या 6144 मार्च, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तहसील अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एस० आर०/33/77-78--यतः मुझे एस०
के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी स० 2289/664 है तथा जो तुंगपाई बटाला रोड, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाधत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य, या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

(1) श्री विनोद कुमार पुत्र श्री बलराम महाजन द्वारा सरोज टेक्सटाइल मिल्स, बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री ओम प्रकाश द्वारा माडर्न प्रिंट्स बटाला रोड, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भू-खण्ड क्षेत्रफल 1680 वर्गगज न० 2289/664, तुंगपाई, बटाला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1941 मार्च 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 4 नवम्बर 1977

निर्देश नं० ए० एस० आर० 34/77-78—यतः मुझे एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 22-ए० है तथा जो ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सन्तराम पुत्र श्री रत्नचन्द, शास्त्री नगर, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री राम दिप्ता मल मेहरा धर्मार्थ ट्रस्ट, प्रताप बाजार अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 22-ए० ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1881 मार्च, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेंट रेंज, अमृतसर

दिनांक: 4-11-77
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 4 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एस० आर०/35 /77-78—यतः मुझे
एम० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आधा हिस्सा भू-खण्ड नं० 327 है तथा जो शास्त्री
नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर
अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

- (1) श्री किशन चन्द पुत्र अमरनाथ, बाजार स्वाक मडी
अमृतसर
(अन्तरक)
- (2) श्री बृज मोहन पुत्र रामदाम, निवामी-कटरा खजाना,
अमृतसर
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
यथाविधि करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नं० 327 शास्त्री नगर, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख संख्या 1952/1, मार्च, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 4-11-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 4 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एस० आर०/36/77-78—यस: मुझे
एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स० भू-खण्ड नं० 327 है तथा जो शास्त्री नगर,
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या अन्य, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री किशन जन्द पुत्र श्री अमरनाथ, बाजार स्वाक मडी,
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री तिलकराज पुत्र श्री रामदास, निवासी-कटरा
खजाना-अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नं० 327 शास्त्री नगर, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख संख्या 1951/1, मार्च 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी, शहर-अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 4-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० जगाधरी/7/77-78—अन. मुझे, श्री रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 6 बीघे का प्लॉट है तथा जो गांव सोमोली तहसील जगाधरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—346GI/77

1 सर्वश्री नमन प्रकाश, ल० सपुत्र पूर्ण चन्द, नजदीक सब्जी मण्डी, जगाधरी ।

(अन्तरक)

2. (1) राम चन्द्र, लाल चन्द, भगवान दास, सपुत्र माया राम

(2) देव राज द्वारा मैसर्स गाबा आयरन स्टोर, यमुना नगर ।

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

2460 वर्ग गज भूमि खसरा न० 30/16, 25, 38/5 जो कि गांव सोमोली तहसील जगाधरी, निम्न से घिरी है :—

उत्तर—सी० डब्ल्यू डी० मड़क

दक्षिण—धर्म पुरा कम्पनी

पूर्व—भगवान दास

पश्चिम—20' चौड़ी मड़क

(जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जगाधरी के पास सं० न० 571 मई, 1977 में वर्णित है) ।

(रवीन्द्र कुमार पठानिया),

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, रोहतक ।

तारीख : 3 नवम्बर, 1977

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस० —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मोनीपत रोड रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निदेश सं० जे० डी० आर०/23/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 6 बिधा (2368 वर्ग गज है तथा जो गांव सोसोली तहसील जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चमन प्रकाश पुत्र ल० पूर्ण चन्द नजदीक सब्जी मण्डी, जगाधरी ।

(अन्तरक)

2 (1) श्री राम चन्द्र, लाल चन्द्र, भगवान दास सपुत्र माया राम ।

(2) श्री देव राज, द्वारा मैमर्स गावा आयरन स्टोर यमुना नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट 2368 वर्ग गज खमरा नं० 30/16, 25, 38/3 जो के गांव सोसोली तहसील जगाधरी में स्थित है ।

निम्न प्रकार से घिरी है :—

उत्तर — पी० डब्ल्यू० डी० सड़क

दक्षिण — धर्म पुरा कम्पनी

पूर्व — भगवान दास

पश्चिम — 20' चौड़ी सड़क

(जयदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जगाधरी के पास सं० नं० 455 मई, 1977 में दर्ज है ।)

(रवीन्द्र कुमार पठानिया)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 3 नवम्बर, 1977

मोहुर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निवेदन सं० पी० एन० पी०/19/76-77—अतः मुझे रवीन्द्र
कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० जमीन 14 बीघे 14 बिगवे—खसरा न० 36
से 42 है तथा जो इन्मार तरफ पानीपत में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) अतुल कुमार, नीरज कुमार पुत्रान श्री प्रेम
सिंह चावला
- (ii) श्री प्रवीन कुमार पुत्र श्री प्रेम सिंह 388,
माडल टाउन पानीपत,
- (iii) सर्वश्री वीरेन्द्र नाथ, देविन्द्र नाथ, रविन्द्र नाथ पुत्राण
श्री शंकर पेन रेलवे रोड, पानीपत।

(अन्तरक)

2 श्री अमीर चन्द ककड़, पुत्र श्री लधा राम, एकम
एम० एल० ए०, शाहबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—14, बीघे 14 बिगवे—खसरा नं०

36 37 38 39 40 41 42

(3-0) (3-3) 2-2 1-13 10-12 3-3 1-1
(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में
रजिस्ट्री क्रमांक 7151 मास फरवरी में लिखा है)।

(रवीन्द्र कुमार पठानिया)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख . 3 नवम्बर, 1977

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

सर्वश्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चन्डीगढ़ सोनीपत राज, राहतक

रोहतक, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निदेश सं० पी एन. पी./20/76-77-—अतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पटानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि 14 बीघा 14 बिसवा, खसरा न० 36, 37, 38, 39, 40, 41, और 42 है तथा जो इन्मार चौक पानीपत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 (1) श्रीम प्रकाश, राज कुमार सपुत्र चौधरी करतार चन्द ।

(2) सनीश कुमार सपुत्र हुकम चन्द

(3) ज्ञान चन्द, देव राज, अशोक कुमार सपुत्र हुकम चन्द, 66 माडल टाउन पानीपत ।

(अन्तरक)

2 (1) श्रीम चन्द सपुत्र लाधा राम, भूतपूर्व एम० एल० ए० शाहाबाद

(2) प्रदीप कुमार, अनिल कुमार, अशवनी कुमार, सपुत्र श्रीम चन्द ककर भूतपूर्व एम० एल० ए० शाहाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-अ में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि 14 बीघा, 14 बिसवा, खसरा न० 36/(3-0), 37/(3-3), 38/(2-2), 39/(1-13), 40/(0-1), 41/(3-3), 42/(1-1)

जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पानीपत के पास सं० न० 7164 दिनांक 28 फरवरी, 1977 के विक्रय पत्र में दर्ज है) ।

रवीन्द्र कुमार पटानिया

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, चन्डीगढ़

तारीख : 3 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

सोनीपत, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निदेश सं० सी० एच० डी०/5/77-78—अतः मुझे, रवीन्द्र
कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सी० एफ० 20/27-सी०, चण्डीगढ़ है
तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, ताग्रेख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धनी राम पुत्र श्री गंगा राम, एस० सी० एफ०, 20/
27-सी० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री पहलाद सिंह, पुत्र श्री प्रीतम सिंह एस० सी० एफ०
20/27-सी०, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 1/2 मजिली बिल्डिंग न० 20, सैक्टर 27 सी०
चण्डीगढ़ में स्थित है और जिसका रकबा 123.75 वर्ग
गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 91 मास अप्रैल, पर लिखी
है)।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक।

तारीख . 3 नवम्बर, 1977
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक तिथि, 11 मार्च, 1977

निदेश न० सी० एच० डी०/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र
कुमार पठानिया,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी न० 1227, सेक्टर, 15-बी०, चंडीगढ़ है तथा जो
चंडीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या भूस्थ मास्तिथों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्-
तर्ग में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा—

1. श्रीमति बलवन्त कौर, धर्मपत्नी श्री दौलत सिंह, अफगान
रोड, होशियारपुर

(अन्तरक)

2. श्री बाल किशन पुत्र श्री राम नारायण, मकान नं० 1227,
सेक्टर, 15-बी०, चंडीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान (2 1/2 मंजिला) न० 1227, सेक्टर 15-
बी०, चंडीगढ़ जिसका रकबा 249.4 वर्गगज है।

(संपत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चंडीगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री
संख्या 176 मास 1977 पर दिखाई गई)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज रोहतक

तारीख :
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक तिथि, 3 नवम्बर, 1977

निवेश सं० सी० एच० डी०/27/77-78—अत० मुझे रवीन्द्र
कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० ग० न० आ० प्लॉट न० 823-824 सेक्टर
22-ए० है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चंडीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख मई, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्रीमति उर्मिला चोपड़ा पत्नी कप्तान ड० सं०
चोपड़ा
(ii) श्रीमति चन्द्रकला पत्नी श्री बी० शर्मा
(iii) श्री दुर्गा दत्त पुत्र श्री बधावा राम निवासी अ० सं०
सी० 3 न० 1039 सेक्टर, 22 बी० चंडीगढ़
(अन्तरक)

2. (i) श्रीमति चन्द्र मोहनी पत्नी श्री अ० सं० बी० घन्डा
(ii) श्रीमति बीर भूपन रामीला मूद पत्नी श्री के०
पी० मूद निवासी मकान न० 543/16-डी०
चंडीगढ़

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद न० ए० सी० ओ० 823-824 सेक्टर, 22 ए०,
चंडीगढ़ में 506 हिस्सा

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चंडीगढ़ के पास सं०
न० 212 मई, 1977 के विक्रय पत्र में वर्णित है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चंडीगढ़

तारीख : 3-11-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 1 नवम्बर 1977

निर्देश सं० 263/अर्जन/ कानपुर/77-78—अतः मुझे
आर० जी० मार्गव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है
और जिसकी सं० 1116 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 10-3-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्रीमती उषा वर्मा द्वारा श्री रमेश कुमार 7/38 तिलक
नरग कानपुर

(अन्तरक)

2. श्रीमती कानवी कपूर 7/39 खलासी लाईन्स कानपुर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 7/39 खलासी लाईन्स कानपुर का
1/2 भाग 1,25,000) के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० जी० मार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख . 1-11-1977
मोहर :

प्रल्प आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 नवम्बर 1977

निदेश सं० 264/8/अर्जन/कानपुर/77-78—अतः मुझे, आर० जी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० 1120 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इस में उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मार्च, 1977। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
8-346GI/77

1. श्री दिनेश कुमार मैहरोत्रा पुत्र स्वर्गीय श्री राम चन्द जी एस० पी० वर्मा रोड पटना।

(अन्तरक)

2 श्रीमती कान्ती कपूर, 7/38 खलासी लाइन्स कानपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

अचल संपत्ति मकान न० 7/38 खलासी लाइन्स कानपुर का 1/2, भाग, 125,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० जी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख : 1 नवम्बर 1977

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1977

निदेश सं० 4868/अर्जन/मेरठ/77-78—अन मुझे, आर० पी० भार्गव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 868 है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इसमें
उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 फरवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कृष्ण राम नागर पुत्र पंडित शशि शंखर नागर
कैसर गज, मेरठ ।

(अन्तरक)

2. श्री शिवचरण दाम पुत्र कपूर गुप्ता व श्री प्रकाश, पुत्र
(भुवशी लाल मुखवीर सिंह, गुप्ता मंत्री कैसर गज शहर मेरठ,
द्वारा जय प्रकाश ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल संपत्ति एक दुकान दो मजिली नं० 80 और-81 स्थित
मंडी कैसर गज मेरठ 60,000/- की विक्रय मूल्य से बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख . 3 नवम्बर, 1977

मोहर ;

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० एफ्यू०/527/Agra/77-78/4762--अतः
मुझे आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो कानपुर में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 मई, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्रीमती कमलेश कुमारी भसिन पत्नी श्री श्रवण कुमार
भसिन निवासी 2/20/ 9/5, एम० जी० रोड, आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री ठाकुर दास पिता श्री देवमल निवासी सरदार भट्टी
आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान नं० 2/20 9/5 एम० जी० रोड,
आगरा 89250/- में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेज, कानपुर)।

तारीख : 4 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

(निरीक्षण), अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 नवम्बर, 1977

निदेश सं० नं० 4768/अर्जन/मेरठ/77-78/4824—अतः,
मुझे, आर० पी० भार्गव,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी म० 768 है तथा जो मेरठ में स्थित है, (और इसमें
उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्वा रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 28 फरवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्—

1. श्री सूरज प्रकाश जैन पुत्र नेम चन्द जैन नि० रज्जिल पुरी
सदर मेरठ कैन्ट ।

(अन्तरक)

2. श्री जय किशन व प्रेम किशन व नन्द किशोर पिन राम
राधा कृष्ण मफती बाडा गहर मेरठ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक दुकान न० 57 मोहल्ला रगराज उर्फ पटेल पुरी
सदर मेरठ कैन्ट ओल्ड 48000/- के विक्रय मूल्य में बेची
गयी ।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण),

(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 5 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री रामचन्द्र फुलभात्रि पंढिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(निरीक्षण) कार्यालय भुवनेश्वर,

भुवनेश्वर, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० 55/77-78/1 ए० सी० सी० ए/आर०/बी०
बी० एम० आर०—अन, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी वाड़ी सं० 23 है, जो खेदराजपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ आन्डोरेन्स में भारतीय
(कलकत्ता) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 19 फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. बालिका विद्यालय मैफेटरी, मदनलाल डालमिया ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन और स्थापित सबलपुर जिला का खेदराजपुर मौजा में
23 नम्बर वाड़ी, होलडी न० —426 पर स्थित है। वह जमिन
रजिस्ट्रार आफ इन्सोरेन्स कलकत्ता में 19 फरवरी, 1977 तारीख
में रजिस्टर्ड हुआ; जिसका डकुमेंट न० I—699 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भुवनेश्वर

तारीख . 9 नवम्बर, 1977
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्रीमती सईदा बिबो, स्वामी बाबु खा ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज भुवनेश्वर,

भुवनेश्वर, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० 56/77-78/ IAC (R/R)/BBSR

अतः, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिनकी सं० है, जो मौजा-मठसाहि में स्थित है, (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भद्रक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतु :—

2. श्री रामदाम अग्रवाला करेंगे आयलन कारपोरेशन लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन मठसाहि मौजा, भद्रक टाउन, बालेश्वर जिला में स्थित है । वह जमीन भद्रक सब-रजिस्ट्रार अफीस में 9 फरवरी, 1977 तारीख में रजिस्ट्री हुआ, जिसका डाकुमट न० 1129 है ।

(अमरेन्द्र नाथ मिश्र)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, भुवनेश्वर

तारीख : 9 नवम्बर, 1977

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री तारा बेन छगनलाल शार्दा भवन, भाईजीराम, लेन, ठाकोर द्वारा वम्बई-2।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II

अहमदाबाद, दिनांक 22 अक्टूबर, 1977

निर्देश सं० पी० आर० 532/ए० सी० क्यू०-23-973/
19-7/77-78—अतः मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जमकी सं० वार्ड न० 12 नोड न० 3110 है, तथा जो रानी
तलाव पारसी शेरी, सूरत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(2) श्री दिनेश चन्द्र छगनलाल खोलथाडवाला, रान
तालाब, डबगढ़वाड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 12 नोड नं० 3110 पारसी
शेरी, रानी तलाव में स्थित है जिसका कुल माप 103 वर्ग गज है।
जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मार्च 1977 के
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 415/77 में पंजीकृत है।

(एम० सी० परीख)

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 22 अक्टूबर, 1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1977

निदेश सं० पी० शा० 533/ए० सी० क्यू० 23-974/
19-7/77-78—अन मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० बार्ड, न० 6 नोड न० 1532-बी है, तथा जो मनीयारा शेरी, महीदरपुरा, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 18 मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में भुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

(1) श्री नमोनदास नानाभाई 5/780, बाकिया शेरी महीदरपुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री ईश्वर लाल जमना दाम,
2 कचन वेन ईश्वर लाल
3. जुगल किशोर ईश्वर लाल
4. समीरकुमार ईश्वर लाल,
राजेन्द्र नगर, महाराष्ट्र हाऊसींग बोर्ड, बी० न० 2/21, बोरी वली इस्ट यम्बई-92 (हाल: मनीयारा शेरी, महीदरपुरा, सूरत)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जिसका नोड न० 1532-बी बार्ड न० 6 कुल माप 82.4 वर्ग गज है तथा जो मनीयारा शेरी, महीदरपुरा, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मार्च, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विवेक न० 300 में पदक्षित है।

ए० सी० पारीख

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख 1 नवम्बर, 1977

मोहर

प्रकृप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1977

निर्देश स० पी० आर०/535/ ए०सी०क्यू०-23-976/
19-7/77-78—अतः, मुझे, एम० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन
मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी स० बार्ड न० 10 नोंध न० 742 है, तथा जो अब्बाजी
रोड, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 16 मार्च, 1977 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

9-346GI/77

- (1) (1) श्री धनसुखलाल नाना भाई लाल गेट, खाड
बाजार, सूरत।
(2) डाकोर भाई नाना लाल, लाल गेट, खाड
बाजार, सूरत।
(अन्तरक)

(2) श्री अशोक भगवान दास शाह लीमडा चौक, गटी
गेरी, सूरत। हाल. 742, अब्बाजी रोड, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका बार्ड न० 1 नोंध न० 742,
कुल माप 102-84-40 वर्ग मीटर—122 वर्ग गज है तथा जो
अब्बाजी रोड, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
सूरत के मार्च, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विवेक स० 389 में
प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख: 8 नवम्बर, 1977
मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० पी० आर०-536/ए० सी० क्यू०-23-977/
7-77-78—अतः, मुझे, एम० सी० परीख

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ग्लाक नं० 1, सं० नं० 66 पैकी है, तथा जो
आशाबाग, नवसारी, जिला, बलसार में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्वीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 11 मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह तिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिष्ठ में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था-या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
दृष्टिकोण (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती कान्ता देवी, लालभाई डाह्याभाई देमाई की
विधवा

3-ए कोर्ट रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली-6

कुल मुखतार : दिवकरराय दलपतभाई देमाई, 3 कोर्ट रोड,
सिविल लाइन्स, दिल्ली-6।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री गिरीशकुमार छोटेला पटेल

(2) श्री किशोर कुमार छोटेला पटेल

कुल मुखतार : छोटाभाई परशोत्तमदास पटेल

(3) भीखा बेन छोटेला पटेल, गिरी सदन
धात्री बाड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ग्लाक नं० 21 सं० नं० 266-1 पैकी
कुल माप 5168 वर्ग फुट है तथा जो आशाबाग नवसारी में स्थित
है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के मार्च, 1977 के
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1491 में पदक्षित है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1977

निदेश सं० 534/एसीक्यू-23-975/19-7/77-78-

अतः मुझे, एस० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक है

और जिसकी सं० वार्ड नं० 7 नोड नं० 3623 है, तथा जो रामपुरा
मैन रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख 25 अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री विष्णु प्रसाद मोती लाल जरीवाला राम पुरा
मैन रोड, सूरत

(अन्तरक)

(2) श्री पुष्पिन चन्द्र शान्तीलाल,

(2) चन्द्रकान्त शान्ती लाल,

(3) अशोक शान्ती लाल (सगीर)

कुल मुखतार: मधुसूदन जगननाथ 3623,
रामपुरा, मैन रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका नोड नं० 3623 वार्ड नं० 7
कुल माप 231 वर्ग गज है तथा जो रामपुरा, मैन रोड, सूरत
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अप्रैल, 1977
के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 678 में प्रदर्शित है।

एस० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 3 नवम्बर 1977

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निर्देश स० ए० सी० ब्यू०-23-1-1272 (606)/10-1/
75-76—यतः मुझे, एम० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी स० सर्वे० न० 95, पार्ट-एफ० शीट० न०-1, है,
जो बेड़ी गट के पास, सुपर मार्केट के सामने, जामनगर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 मार्च,
1977,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रामरखीबाई विधवा श्री रामलोक दाला
पंडित, काशी विश्व नाथ रोड, तीन दरवाजा के बाहर, जामनगर
(अन्तरक)

(2), श्री सोलंकी जख्मभाई डोमाभाई, दीवान खाना
चौकी के पास, जागनाथ गेट रोड, जामनगर।

(अन्तरिती)

(3) (1) भारतीय होटल तथा लोज सुपर मार्केट के
सामने, जामनगर।

(2) श्री मूसाजी महमदअमी, बेड़ी गेट, सुपर
मार्केट, जामनगर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मजला मकान जो 3560.92 वर्ग फुट भूमि पर
स्थित है तथा जिसका मिटी सर्वे न० 95, शीट न० 1, पार्ट-एफ०
है तथा जो बेड़ी गेट, सुपर मार्केट के सामने, जामनगर में स्थित
है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अहमदाबाद।

तारीख 9 नवम्बर, 1977

मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-1-1280(607)/12-1/
75-76—यत. मुझे, एम० सी० परीख.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 5 (जूना सर्वे न० 331) है, तथा जो अंजार
(कच्छ) में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंजार
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 24 अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए,
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
केम उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
में, प्रकीर्त निम्नलिखित, शर्तियों, अर्थात् —

(1) सोरठीया हडीया दहया उकाभाई, मोरठीया नाका के
बाहर, अंजार (जि० कच्छ-भुज) ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोरठीया हडीया हीरार्जा गाविद, गाव शिवराम,
तालूका अंजार, जि० (कच्छ-भुज) ।

(अन्तरिती)

(3) (1) श्री केशव लाल गलाल चन्द शेठ,

(2) श्री नटवर लाल जी शेठ,

अंजार, जि० कच्छ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे
में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खेती बाड़ी वाली जमीन जो "देशवाडी" के नाम से
प्रख्यात है तथा जिसके क्षेत्रफल 12 एकड़—12 गुंठा है तथा जिस
का सर्वे न० 5 (जूना सर्वे न० 331) है तथा जो अंजार में स्थित
है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 26 अप्रैल, 1977 वाले बिक्री दस्तावेज
न० 351 में दिया गया है ।

एम० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद ।

तारीख : 9 नवम्बर, 1977

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-1-1296/(608)/10-1/77-78—यतः मुझे, ए० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे० न० 1-जी-4, प्लॉट न० 5, "श्री हजूर गौशाला" है, तथा जो शई सेशन रोड, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) गोरधनदास धनाजी,

(2) श्रीमती मुक्ताबेन गोरधन दास, बेडी गेट, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री काछी भानूशाली महाजन सरोवर, की ओर से मैक्रेटरी, श्री नाराणजी खेताजी, 56, दिग्विजय प्लॉट, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "श्री हजूर गौशाला" के नाम से प्रख्यात है तथा जो 6600 वर्ग गज फुट पर स्थित है (612-40 वर्ग मीटर) तथा जिसका सिटी सर्वे न० 1-जी/4, प्लॉट न०-5, है, तथा जो शई सेशन रोड पर, जामनगर में स्थित है।

ए० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख . 9 नवम्बर, 1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

निदेश न० ए० सी० ब्यू०-33-1-1295(609)/11-1/
77-78--यतः मुझे, एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 299, गांधी ग्राम, (गांधी ग्राम),
है, तथा जो जूनागढ़ में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जूनागढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908
का 16) के अधीन 25 मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात् :--

- (1) (1) श्रीमती वासुतीबेन तुलसीदास,
(2) श्री तुलसी दास जेवरचन्द. मार्फत तुलसी दास
जेवरचन्द संघाणी, 56, एस० वी० रोड,
3/11 विवेकानन्द नगर, बोरीवाली (वेस्ट),
बम्बई-92।

(अन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती निरमलाबेन हस्मुखलाल मशई,
(1) मार्फत हस्मुखलाल टी० मशई, सोजाना
ओटा के पास, जूनागढ़।
(2) हिन्दूस्तान ट्रेडर्स, जयश्री टाकीज रोड,
जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक अवल सम्पत्ति जो 500 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा
जिसका प्लॉट न० 299 है तथा जो गांधीग्राम के पास जूनागढ़ में
स्थित है।

एम० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 9 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

निदेश म० ए० गी० क्यू० 23-1-1349/(610)/16/6/77-78—यन, मुझे, एम० सी० परीख,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० है, तथा जो राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7 मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य भास्तिनों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) डा० दिनेश रतीलाल शाह त्रिकोन बगीचा के सामने, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री परपोत्तम डाह्याभाई, कानल रोड, दिगाविजय प्लाट के कोने के पास, श्री राम कृपा, राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खाली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 242 3/4 वर्ग गज है तथा जो जगन्नाथ मंदिर के पास, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 7 मार्च, 1977 वाले विन्नी दम्ना-वेज न० 399 में दिया गया है।

एम० सी० परीख,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 9 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर, 77

निर्देश नं० ए० पी० ब 1725:—यतः, मुझे बी० एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो हसन
मुडा, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जालन्धर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

0-346GI/77

- (1) श्रीमती बन्ती, इशरी तथा चणो पुत्रियां श्री लभू
निवासी गांव हसन मुडा, तहसील जालन्धर
(अन्तरक)
- (2) श्री नरन्जन सिंह पुत्र श्री लभू गांव हसन मुडा, डाक-
खाना करतार पुर, तहसील जालन्धर।
(अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 294, अप्रैल, 1977 को रजि-
स्ट्रीकरण अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 16-11-77

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर, 1977

निदेश न० ए० पी०-1726 :—यन, मुझे बी० एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो सोडल
रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री अमरीक सिंह पुत्र श्री मेहर सिंह निवासी गांव
डुहरे, तहसील जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मिलन देवी पत्नी श्री भगत राम मार्फत
आर० पी० गुलाटी, 112-शिव नगर, इण्डस्ट्रीयल
एरिया जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बांध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 413 अप्रैल, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-11-77

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर, 1977

निवेदन नं० ए० पी० -1727 :— यतः, मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है है तथा जो बाई पास गेज रोड में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्स जय इलेक्ट्रिकल इण्डस्ट्रीज एस०-52, इण्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) फोरगिंगंज एण्ड कैमीकल इण्डस्ट्रीज 1/4, पठेन् रोड, जालन्धर, कैन्ट

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 321, अप्रैल, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

जबी० एस० दहिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-11-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर, 77

निर्देश न० ए-पी०-1728—यतः मुझे बी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जता कि अनुसूची में है जो गांव रेडू बार्ड पास जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधि-कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिनांक जुलाई 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उससे बचने के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्स जय एलैक्ट्रीकल एन्डस्ट्रीज एस-52, एन्डस्ट्रीयल एरिया, जालन्धर ।

(अन्तरक)

(2) फोरगिंगंज एण्ड कैमीकल इन्डस्ट्रीज, 1/4, पटेल रोड, जालन्धर कैन्ट ।

(3) जता कि उपर न० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जता कि बिनेज का 2236 जुलाई-77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० एस० दहिया

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज, जालन्धर

दिनांक : 16-11-77

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd November 1977

No. F 6/77-SCA(1)—Shri Rihya Ram, Assistant Registrar, Supreme Court of India retired from the services of this Registry with effect from the afternoon of 21 October, 1977.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd November 1977

No. A 32014/1/77-Admn. III(1).—In partial modification of this office notification of even number dated 18-10-77, the President is pleased to appoint Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 16-10-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A 32014/1/77-Admn. III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 17-9-77, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 18-10-77 to 26-11-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A 32014/1/77-Admn. III(3).—The President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 22-10-77 to 6-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
Incharge of Administration
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.)
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th November 1977

No 35018/11/77-AD I—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Manzoor Ahmed an officer of Rajasthan State Police, on deputation as Inspector of Police, in Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Jaipur Branch, in a temporary capacity, with effect from forenoon of 19-10-77 until further orders.

R. P. GUPTA
Administrative Officer (E)
CBI

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 31st October 1977

No. E-38013(3)/13/77-Pers.—On transfer from New Delhi Shri S. M. Saini assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Alloy Steel Plant, Durgapur with effect from the forenoon of 16th September, 1977

L. S. BISHT
Inspector General /CISF

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 8th November 1977

No 1311/A.—In continuation of Notification No 677/A dated 14th July, 77, the *ad hoc* appointment of Shri S. N. Kurdi as Deputy Control Officer, New Currency Note Press, Nasik Road is further extended upto 28-10-1977.

Shri S. N. Kurdi has been appointed as Dy Control Officer, New Currency Note Press, on a regular officiating basis with effect from 29th October, 77 (FN) in the vacancy caused due to the promotion of Shri M. R. Kutty as Control Officer, New Currency Note Press.

D. C. MUKHERJEA
General Manager

SECURITY PAPER MILL HOSHANGABAD (M.P.)

Hoshangabad, the 3rd November 1977

No 7(36)/6212.—Further to this office notification No 7(36)3834, dated 24-6-75, 7(36) 10023 dated 23/12/75, No 7(36)/3145 dated 26/3/76 No 7(36)6051 dated 14-9-76, No 7(36)/2896 dated 25-3-77 and No. 7(36)/3134 dated 16-7-77 Sh. S. T. Shirsat is allowed to continue in the post of Fire Officer on an *ad-hoc* basis for a further period 31-12-77 or till the Union Public Service Commission's nominee joins the post, whichever is earlier.

R. VISWANATHAN
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 4th November 1977

No. CA 1/61-77—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below until further orders:—

Name of the Section Officer (Comml.)	Offices where working before promotion.	Offices where posted on promotion as Audit Officer (Comml.)	Date of posting as officiating A. O. (C)
1	2	3	4
S/Shri			
1. G. T. Sampat Kumarachar	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bangalore.	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A. Ranchi.	29-9-77 (FN)
2. P. C. Jain	Member Audit Board & Ex-officio DCA, New Delhi.	Do.	28-9-77 (FN)
3. Vinod Kumar	Accountant General, Punjab, Chandigarh.	Accountant General, Rajasthan, Jaipur	28-9-77 (FN)
4. G. K. Desai	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bangalore.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.	29-9-77 (FN)

1	2	3	4
5. P. R. Dhopeshwarkar	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay.	29-8-77 (FN)
6. V R. Kalyanaraman	Do.	Do.	14-10-77 (FN)
7. R Krishna Murthy	Accountant General, Karnataka, Bangalore.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay at Bhopal.	28-9-77 (FN)
8. K. Satyanarayana Murthy	Accountant General-II, A. P. Hyderabad.	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar.	30-9-77 (FN)
9. K. H Sastry	Do.	Do.	29-9-77 (FN)
10. N. Appalaraju	M.A.B. & Ex-officio D. C. A. Madras	Accountant General-II Tamil Nadu, Madras.	31-8-77 (FN)

S. D. BHATTACHARYA
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR PRADESH I

Allahabad, the 26th October 1977

No. Admn I/11-144(XII)/237.—The Accountant General, U.P. I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this case until further orders with effect from the dates noted against each :—

1. Shri Chandra Prakash Khare 26-9-77 F.N.
2. Shri Pyare Lal Sharma 7-10-77 F.N.
3. Shri Shantaram Vishnu Kashalkar 17-10-77 F.N.

U. RAMACHANRA RAO
Senior Deputy Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmadabad, the 8th November 1977

No. Estt. (A)/GO/3109.—The Accountant General Gujarat, Ahmadabad is pleased to appoint following permanent member of the Subordinate Account Service, to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General I, Gujarat Ahmadabad with effect from the dates shown against each, until further orders.—

1. Shri M R. Srinivasan 26-9-77 F.N.
2. Shri V. R. Natorejan 1-10-77 F.N.
3. Shri Som Dutt Sharma 1-10-77 F.N.
4. Shri T. K. Menon 4-10-77 F.N.
5. Shri V. Rajagopalan-I 29-10-77 F.N.
6. Shri S. Venkataraman 29-10-77 F.N.

K. P. LAKSHMANA RAO
Deputy Accountant General (Admn).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500476, the 4th November 1977

No. EB I/8-132/77-78/307.—Shri M I. H. Siddiqui Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31-10-77 A.N.

I. MUKHERJEE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, MADHYA PRADESH

Gwalior-474002, the 1st November 1977

No. Admn I/368.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to grant proforma promotion to Shri S Krishnamurthy, a permanent Section Officer 020219) as Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29-8-77 Forenoon i.e. the date from which his next junior Shri P. S. Khedkar Section Officer, has been promoted as Accounts Officer.

No. Admn. I/369.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each :—

1. Shri D. R. Narang—02/0222, 5-10-77 Afternoon.
2. Shri G. T. Mithe—02/0224, 6-10-77 Forenoon.

KRISHNA GOPAL
Sr. Dy. Acctt. General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KARNATAKA

Bangalore, the 31st October 1977

No. ESI/A4/77-78/586.—The Accountant General is pleased to promote Shri A. N. Murthy, a permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of the seniors, if any, with effect from the date of his taking charge.

M. A. SOUNDARARAJAN
Sr. Dy. Accountant General (Admn)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 2nd November 1977

No. Estt. A VII/9-86/Vol. II.—The Accountant General, Kerala, is pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers of the office of the Accountant General, Kerala, in a substantive capacity in the Accounts Officers' grade of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each :—

1. Shri T. Achyutha Warriar 1-4-77
2. Shri K. S. Krishnamachari 30-9-77

S. JAYARAMAN
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, WEST BENGAL

Calcutta-I, the 31st October 1977

No. Admn. I/1038-XIV/2603.—The Accountant General I, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the date as mentioned against each or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in this office/Office of A.G. II, West Bengal/Office of the A. G. Central until further orders :—

S/Sri

1. Sisir Kumar Roy with effect from 28-10-77 A.N.
2. Kandarpa Bijoy Bhattacharjee with effect from 31-10-77 (A.N.).
3. Sibapada Mondal with effect from 31-10-77 (A.N.).

Sri Sisir Kumar Roy on being released from his present charges may report to the Sr. Dy. Accountant General (Admn.), Office of the A.G. Central for taking over charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that office.

Sri Kandarpa Bijoy Bhattacharjee on being released from his present charge may report to the Sr. Dy. Accountant General (Admn.) of this Office for taking over charge as Accounts Officer.

Sri Sibapada Mondal on being released from his present charge may report to the Sr. Dy. Accountant General (Admn.), Office of the Accountant General II for taking over charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that Office.

The inter-se-seniority of the Accounts Officers will be indicated in due course.

Dutta Gupta, a permanent Section Officer of this office now on deputation on foreign service terms to the Central Fisheries Corpn to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from 28-10-77 (F.N.) or the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer. Shri Rabindra Dutta Gupta on being released of his present charge may report to the Sr. Dy. Accountant General (A) of the office of the Accountant General II West Bengal for taking charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that office.

The inter-se-seniority of the officer will be indicated in due course.

The 21st November 1977

No. Admn.I/1038-XV/2560-2567 —The Accountant General I, West Bengal has been pleased to appoint Shri Babindra

P. K. BANDYOPADHYAYA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
West Bengal.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

SLNOOOOV EONEFED OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF

New Delhi, the 5th November 1977

No. 40011(2)/77/AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation—

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment.	Organisation
1	2	3	4	5
	Sarvashri			
1.	B. C. Banerjee (P/1)	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
2.	S. Ramasubramanya Iyer (P/48)	Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
3.	Govinda Lal Banerjee (P/79)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta
4.	B. D. Tawakley (P/85)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Account (Other Ranks) North, Meerut.
5.	S. Venkatesan (P/115)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
6.	T. K. Jothiramayam (P/181)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.
7.	Jaswant Lal Kalra, (P/182)	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
8.	K. S. Mani (P/188)	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
9.	Mukund Lal Chopra (P/208)	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut
10.	P. Gopinatha Menon (P/288)	Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
11.	K. K. Kapoor (P/303)	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
12.	R. G. Luthra, (P/315)	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
13.	T. R. Vaidyanathan, (P/337)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun
14.	Anup Singh Bakshi, (P/349)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
15.	Narainjan Singh (P/357)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
16.	Parma Nand Vohra, (P/373)	Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
17.	Tilak Raj (P/377)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
18.	K. S. Venkataraman (P/403)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona
19.	P. S. Seshappa (P/452)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta
20.	Chander Prakash Gulati (P/460)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.

1	2	3	4	5
	Sarvashri			
21	P. Krishnamachari (P/486)	Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
22.	R. Balasubramanian (P/509)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
23.	R. M. Malhotra (P/546)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
24.	Nirmal Singh (P/557)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
25.	B. M. Garud (P/626)	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
26	Girdharilal Chopra (P/645)	Permanent Accounts Officer.	30-6-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
27.	Deep Chand Sharma (P/648)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
28.	L. C. Gupta (O/102)	Officiating Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
29.	Har Krishan Lal (O/113)	Officiating Accounts Officer.	30-6-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
30.	Sushil Kumar Ganguly (O/202)	Officiating Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
31.	Hem Raj Sharma (O/212)	Officiating Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks)—North, Meerut.
32	M. N. Nayar, (O/261)	Officiating Accounts Officer.	30-4-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
33.	M. L. Dewan (O/276)	Officiating Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
34.	Umed Singh (O/297)	Officiating Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
35.	Madan Singh (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
36.	N. K. Dutta (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
37.	M. K. Chadha (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
38.	C. A. Singh (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
39.	D. Kalyanakrishnan (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-8-77	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
40.	P. D. Bakshi (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
41.	N. S. Tampi (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.

Shri P. Krishnamachari, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 134 days from 24-10-1977 to 6-3-1978 and Half Pay Leave for 25 days from 7-3-78 to 31-3-1978 pending retirement.

Shri M. N. Nayar, Officiating Accounts Officer was granted earned leave for 26 days from 5-4-77 to 30-4-77 pending retirement.

Shri D. Kalyanakrishnan, officiating Accounts Officer was granted earned leave for 62 days from 1-7-1977 to 31-8-1977 pending retirement.

Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(i) CSR Volume I, Shri F. X. D'Mello, Permanent Accounts Officer (P/421) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay, will be transferred to the pension establishment with effect from 31-3-1978 (A N)

Shri F. X. D'Mello has been granted earned leave for 180 days from 3-10-1977 to 31-3-1978 preparatory to his retirement.

R. VENKATARATNAM
Dy Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta-16 3rd November 1977

No. 71/77/G.—The President is pleased to appoint Shri Prebhakar Anant Dev as Assistant Manager (Prob) with effect from 19-4-76 (FN), until further order.

No. 72/77/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Manager (Prob) with effect from the dates shown against each until further orders:—

1. Shri D. Srinivasan 26-3-1977 (FN).
2. Shri Naresh Chand Jain 21-3-1977 (FN).
3. Shri Chinmoy Chattopadhyay 28-3-1977 (FN).
4. Shri Vijay Kumar Allawadi 11-3-1977 (FN).
5. Shri Kancharla John Jaya Retnam 1-3-1977 (FN).
6. Shri Ratnakar Laxman Kulkarni 1-9-1977 (FN).

M. P. R. PILLAI,
Assistant Director General,
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 29th October 1977

No. EST I-2(685)—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 12th September, 1977 and until further orders, Shri M. S. Maulik as Deputy Director (Grade III of the Indian Statistics Service) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

M. C. SUBARNA
Addl. Textile Commissioner

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 1st November 1977

No. Jute(A)/147/65.—Jute Commissioner hereby appoints Shri S. K. Hajra, Inspector (Non-Technical) as Assistant Director (Exports) Group-B (Gazetted) in the Scale of Rs. 650-1200/- in an *ad hoc* officiating capacity in the same office from the 1st November, 1977 (F/N) to 17th December, 1977 vice Shri K. P. Das proceeded on leave.

N. K. ROY
Administrative Officer

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER,
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 13th October 1977

No. 12/628/69-Admn.(G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri K. B. Singh, Assistant Director (Gr. I) in the Small Industry Development Organisation from Government service with effect from 5-7-74 (AN) on his getting permanently absorbed with the Rajasthan Financial Corporation.

No. A-19028/319/77-Admn.(G) —The President is pleased to appoint Shri Swami Nath a Gr. IV officer of Indian Economic Service as Assistant Director (Gr. I) (EI) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 30-7-77.

2. Consequent upon the appointment as Assistant Director (Gr. I)(EI) Shri Swami Nath assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I)(EI) in the Br SISI, Ranchi (Bihar) w.e.f. 30-7-77 (FN).

No. A-19018/320/77-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri P. N. Behl a Section Officer in the office of the Accountant General, CW&M., New Delhi as Accounts Officer in the office 11—346GI/77

of the Development Commissioner (SSI), New Delhi on usual deputation terms.

2 Consequent upon his appointment as Accounts Officer Shri P. N. Behl assumed charge of the post of Accounts Officer in the Office of the DCSSI, New Delhi on the afternoon of 30th September, 1977

The 17th October 1977

No. 12/125/61-Admn (G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri G. D. Sharma, Assistant Director (Gr. I) in the Small Industries Development Organisation from the Government service with effect from the forenoon of 15th September, 1977.

No. 12(265)/61-Admn (G).—The President is pleased to retire Shri S. P. Gupta, Assistant Director (Gr. I) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 19th October, 1976, under Clause J(i) of Rule 56 of Fundamental Rules.

No. 12/453/64-Admn (G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to retire Shri P. Swaran Singh, Assistant Director (Gr. II) in the Small Industry Development Organisation from Government service w.e.f. 24-11-76 (FN) under Rule 56(D) of the Fundamental Rules.

2. Consequent upon his retirement from Government service Shri P. Swaran Singh, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) at Small Industries Service institute, Hyderabad on 24-11-76 (FN).

The 25th October 1977

No. A-10918(318)/77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. N. Raghavan, a Gr. IV Officer of I.E.S. as Deputy Director (Statistics) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 27-9-77 until further orders.

2 Consequent upon his appointment Shri S. N. Raghavan has assumed charge of the post of Deputy Director (Statistics) in the Office of the DCSSI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 27-9-77.

V. VENKATRAYULU
Dy. Director(Admn)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 4th November 1977

No. A-1/1(885).—Shri Bishan Das Narang, offg. Asstt. Director (Gr. II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st October, 1977 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 8th November 1977

No. A-17011/129-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Pritam Singh, permanent Examiner of Stores (Engg) in the NI Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg) on *ad hoc* basis in the same Inspectorate under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 20th June 1977 until further orders

SURYA PRAKASH
Dy. Dir.(Admn)
for Director General of Supplies & Disp.

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st October 1977

No. 19011(32)/70-Estt A.—Dr. A. M. Hussain, Mineral Economist is promoted to officiate as Supdtg Mineral Economist in the Indian Bureau of Mines in the leave vacancy of Shri A. S. Gopalachari, Supdtg Mineral Economist, Indian Bureau of Mines with effect from 4-5-1977 to 25-6-1977.

L. C. RANDHIR
Administrative Officer
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA,

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 1st November 1977

No. E1-5297/913-H—In continuation of this office Notification No. E1-5246/913-H dated 11th July, 1977, the *ad hoc* appointment of Shri R. K. Chamoli, Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto 31st March, 1978 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 2nd November 1977

No. E1-5298/594-Managers.—Shri V. E. Raman is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (G.C.S. Group 'B') in Pilot Map Production Plant (CST&MP), Survey of India, Hyderabad in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 6th October 1977, until further orders

The 3rd November 1977

No. C-5299/718-A—Shri Kanti Prakash, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg) who was appointed to officiate in the post of Establishment and Accounts Officer (Group 'B' posts) in the Survey of India on *ad hoc* basis with effect from 1st September, 1975 vide this office Notification No. C-5010/718-A dated the 16 October 1975, is appointed to officiate as such on regular basis w.e.f. 1st November 1977 and is posted to Central Circle, Survey of India, Jabalpur.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 2nd November 1977

No. F11-10/76-A1.—The undermentioned Assistant Archivist Gr. I (Genl) and Offg. Archivist (Genl.) on *ad hoc* basis are appointed as Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. 24-8-77, until further orders:—

1. Shri Suraj Prakash
2. Shri Duli Chand
3. Shri K. S. Talwar
4. Shri I. B. Roy

Sd. ILLEGIBLE
Director of Archives.

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 2nd November 1977

No. 3/21/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. Santhu, Senior Accountant, Central sales units, All India Radio, Bombay to officiate as administrative Officer at All India Radio, Rajkot with effect from 28-10-77 (F.N.) and until further orders.

S. V. SESHADRI
Dy. Director of Admn
for Director General

New Delhi, the 3rd November 1977

No. 4(33)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Amarjeet Singh as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 26th September, 1977 and until further orders.

No. 4(72)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Naheed Taj Qureshi as Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from 10th October, 1977 and until further orders.

The 5th November 1977

No. 4(17)/76-SI.—Shri Pervaiz Ahmed Qureshi, Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar expired on the 13th October, 1977.

No. 4(24)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Srirama Bharati as Programme Executive, All India Radio, Delhi in a temporary capacity with effect from 19th October, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 2nd November 1977

No. 10/101/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. Jeyakumar to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Najibabad with effect from 19-10-77.

The 5th November 1977

No. 10/116/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. C. Jaiswal to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Lucknow with effect from 31-5-77.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General.

DOORDARSHAN MAHANIDESHALAYA

New Delhi, the 3rd November 1977

No. 11/2/74-SI.—The Director General, Doordarshan hereby appoints Shri V. A. Rao, a permanent Transmission Executive and at present working as Producer Grade-II, Upgrah Doordarshan Kendra, Hyderabad as Programme Executive at the same Kendra in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 30th September 1977 and until further orders.

R. K. KHATTAR
Deputy Director of Administration.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th November 1977

No. 9-17/74-Admn.I.—Consequent on attaining the age of superannuation, Smt. R. Kuttappan, Tutor, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi retired from Government Service on the afternoon of 30th September 1977.

The 7th November 1977

No. A.11011/15/76(WH)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr P. K. Sarin to the post of Dental Surgeon, Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi, with effect from forenoon of 1st September, 1977 in a temporary capacity and until further orders.

Dr Sarin relinquished charge of the post of Dental Surgeon, Central Govt. Health Scheme, New Delhi, on the afternoon of 31st August, 1977

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHI VIBHAG)

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 2nd November 1977

No. F.2-13/77-Estt.I.—Shri K. P. Srinivasan, who has been officiating as Assistant Administrative Officer, on *ad-hoc* basis, vide this Directorate notification No. F.2-12/77-Estt.I dated 15-6-1977, has been regularised in the said post, with immediate effect.

No F 2-13/77-Estt I—Shri K. K. Sharma, who has been officiating as Assistant Administrative Officer, on *ad hoc* basis, vide this Directorate Notification No F.2-6/77-Estt.I dated 16-8-1977, will continue to officiate in the same post on temporary officiating capacity, upto 28-2-1978.

CHANDRA PRAKASH
Director of Administration

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 3rd November 1977

No F.4-6(69)/77.A.III.—On the basis of the recommendations of the D P C., the following officers, who are working as A.M.O. Group-I on *ad hoc* basis, have been appointed to officiate as A.M.O., Group-I, on regular basis with effect from 7-7-1977 until further orders —

- (1) Shri R. A. Khanorkar
- (2) Shri D K Ghosh
- (3) Shri P. L. Vashisht
- (4) Shri R. K. Vyaghara
- (5) Shri A Raghava Rao
- (6) Shri Umesh Kumar
- (7) Shri N. J. Pillai
- (8) Shri E. S. Paulose
- (9) Shri N. Ganarudhoon
- (10) Shri P. E. Thomas
- (11) Shri R. S. Kataria
- (12) Shri K. S. Reddy
- (13) Shri R. S. Verma
- (14) Shri K. N. Ghungrudhkar
- (15) Shri S. C. Dass
- (16) Shri D. K. Dass
- (17) Shri C. P. Gopinathan Nair
- (18) Shri K. N. Rai
- (19) Shri M. P. George
- (20) Shri P. Y. Shirka
- (21) Shri B. S. Bhardwaj
- (22) Shri R. P. Sachdeva
- (23) Shri N. B. Bhattacharya
- (24) Shri A. Ramankutty
- (25) Shri T. Unni Kannan

No. F 4-6(127)/77-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Rajendra Singh has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi with effect from 6-10-1977 (F.N.), until further orders.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

(BRANCH HEAD OFFICE)

Nagpur, the 3rd November 1977

No. F.74/15/72-D.I.—I, J. S. Uppal, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India in exercise of the

powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (i) SRO 3184, dated the 28th December, 1956 (ii) 83, dated the 29th July 1961 (iii) 3752, dated the 26th December 1955 and (iv) 157, dated 22nd June 1963 and GSR 904, dated 27th June 1964 hereby authorise Sarvashri N. Gopal Marketing Officer, Calicut, P. Ramachandran Nair, Assistant Marketing Officer, Mangalore and V. Balarama Murthy, Marketing Officer, Bangalore to sign the Certificate of Grading from the date of issue of this Notification, in respect of Sandalwood Oil and Lemongrass Oil which are graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marketing Rules 1954, as amended from time to time and the Export of which is subject to the provisions of the above mentioned Notifications.

The 5th November 1977

No. 74/15/72-D.I.—I, J. S. Uppal, Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India in exercise of the powers conferred by the Govt. of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) customs Notification Nos. (i) SRO 3184, dated the 28th December, 1956 (ii) 83, dated the 29th July 1961 (iii) 3752, dated the 26th December, 1955 and (iv) 157, dated 22nd June 1963 and GSR 904, dated 27th June 1964 hereby authorise Shri B. L. Gopalakrishna, Senior Chemist, Govt. Sandalwood Oil Factory, Mysore to sign the Certificates of Grading from date of issue of this Notification, in respect of Sandalwood Oil which is graded in accordance with the Essential Oils Grading & Marking Rules 1954, as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned Notifications.

J. S. UPPAL
Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 26th September 1977

No. PAR/0704/237.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri P. Rajagopalan, UDC to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, from 1-9-1977 to 25-9-1977 or until further orders whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 4th November 1977

No. AMD-10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri D. R. Tuli, Assistant Administrative Officer of the Atomic Minerals Division, as Administrative Officer-II in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the 24th October, 1977 (forenoon) till 3rd December, 1977 (afternoon) *vice* Shri S. K. Malhotra, Administrative Officer-II, granted leave.

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Lachhmi Narain, Assistant of the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the 24th October, 1977 (forenoon) till 3rd December, 1977 *vice* Shri D. R. Tuli, Assistant Administrative Officer appointed as Administrative Officer in a temporary capacity.

Shri Lachhmi Narain will stand reverted to the post of Assistant with effect from the date on which Shri D. R. Tuli revert to the post of Assistant Administrative Officer

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION

INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delh-3, the 7th November 1977

No E(1) 01008—The Director General of Observatories hereby appoints the undermentioned Professional Assistants to officiate as Assistant Meteorologist as follows:—

Sl. No.	Name	Period		Office to which posted
		From	To	
1.	Shri Harnam Singh	12-9-77	9-12-77	Project Director, Monex, New Delhi.
2.	Shri K. S. Venkatakrishnan	17-9-77	14-12-77	Dy. Director General of Observatories (Instruments) New Delhi.
3.	Shri A. N. Chopra	17-9-77	14-12-77	
4.	Shri Chail Behari	3-9-77	29-10-77	Regional Meteorological Centre, New Delhi.
5.	Shri H. M. Kumar	3-9-77	30-11-77	
6.	Shri D. K. Rajpal	17-9-77	14-12-77	
7.	Shri S. N. Mehra	1-9-77	13-11-77	
8.	Shri A. K. Mehra	31-8-77	27-11-77	Met. Centre, Gauhati.
9.	Shri D. Sinha	1-9-77	28-11-77	

No. E(1)0581.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri S. N. Bhan, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from 26-10-77 to 22-1-78

Shri Bhan, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF TOURISM & CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th September 1977

No. A.32013/13/76-ES—The President is pleased to approve the proforma promotion of Shri M. R. Gopala Krishna, Senior Aircraft Inspector, Civil Aviation Department and at present on deputation to the Government of OMAN to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspector in the Civil Aviation Department with effect from 4th July, 1977 and until further orders.

V. V. JOHRI
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 22nd October 1977

No. A. 12025/8/77-ES—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the undermentioned officers as Air Safety Officer (Engineering) in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the date noted against each and until further orders:—

Sl. No.	Name	Date of appointment	Station of Posting
1.	Shri Madan Lal Nagar	9-6-1977 (FN)	Office of the DGCA, New Delhi.
2.	Shri Kanu Gohain	26-8-1977 (FN)	Do.
3.	Shri Bimal Kumar Srivastava	25-8-1977 (FN)	Office of the Regional Director, Bombay.

The 31st October 1977

No. A.12025/6/77-ES—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri B. R. Chopra to the grade of Deputy Director Air Safety (Eng.)/Regional Controller of Air Safety (Eng.) and to post him as Deputy Director Air Safety (Eng.) in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi with effect from the 29th April, 1977 (F.N.).

No. A.12025/8/77-ES—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Lakshmi Narain Lall as Air Safety Officer (Engg.) in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 18th October, 1977 and until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 3rd November 1977

No. A.38012/1/77-EC—Shri S. K. Kasturi Rangan, Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Madras relinquished charge of his office on the 30-9-77 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.38013/1/77-EC.—Shri G. B. Damle, Assistant Technical Officer, in the office of the Controller of Communication, ACS, Bombay relinquished charge of his office on the 30-9-77 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.32014/1/77-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. K. E. Sharma, Communication Assistant, A.C.S. Bombay to the grade of Assistant Communication Officer on *ad hoc* basis with effect from the 23-9-77 (FN) and to post him at the same station *vice* Shri P. I. David, Assistant Communication Officer granted leave

The 4th November 1977

No. A.12025/8/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. Shankar as Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 28-9-77 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A 38012/1/77-EC.—Shri Baby Verghese, Communication Officer in the office of the Regional Director, Bombay relinquished charge of his office on 30-9-77 (AN), on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 4th November 1977

No. A.32013/14/77-E.I.—The President is pleased to appoint Shri K. B. Ganesan, Director of Research & Development to the grade of Deputy Director General of Civil Aviation on *ad hoc* basis for a period from 25-10-1977 to 31-1-1978 or till the return of Shri P. K. Ramachandran, whichever is earlier.

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 29th October 1977

No. 1/443/77-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri M. B. Govande, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer in the Officiating capacity in the same office for the period from 29-8-77 to 7-10-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR
Dy. Director (ADMN.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

CENTRAL EXCISE : BARODA

Baroda, the 29th October 1977

No. 9/77.—Shri M. D. Patel, Officiating Superintendent of Central Excise, Group 'B', Ankla Range of Anand Division retired on superannuation in the afternoon of 31-7-1977.

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise, Baroda

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, MADHYA PRADESH

Indore, the 1st November 1977

C. No. II(3)2-Con/77/1356.—Consequent upon his promotion as Superintendent C. Ex. Group 'B' Shri R. G. Ingole has assumed charge as Superintendent M.O.R.II Indore in the afternoon of 27-8-77.

Consequent upon his promotion as Superintendent C. Ex. Group 'B' Shri S. L. Gupta has assumed charge as Superintendent (Prev.) Division Gwalior in the forenoon of 30-8-77.

C.No.II(3)7-Con/77/1357.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer Central Excise Group 'B' Shri R. G. Pandit has assumed charge as Administrative Officer (Hqrs.) C.Ex Hqrs. Office Indore in the forenoon of 3-10-77.

Consequent upon his promotion as Examiner of Accounts C.Ex Group 'B' Shri I. M. Khan has assumed charge as Examiner of Accounts C. Ex Tqrs. Office Indore in the afternoon of 1-10-77

M. S. BINDRA
Collector.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Madras-34, the 16th August 1977

No. C. No. II/3/22/77-Estt.—The following Superintendent s of Central Excise, Group 'B' Madras Central Excise Collectorate have retired from Service on superannuation with effect from the dates noted against their names.

Sl. No.	Name	Date of retirement
S/Shri.		
1.	S. Padmanabhan . . .	31-5-77 Afternoon
2.	D. B. Anugraham . . .	31-5-77 Afternoon
3.	A. V. Arunachalam . . .	30-6-77 Afternoon
4.	H. Ramachandran . . .	31-7-77 Afternoon
5.	T. A. Mahadevan . . .	31-7-77 Afternoon
6.	M. Sivarimuthu . . .	31-7-77 Afternoon

I. J. RAO,
Collector.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 1st November, 1977

No 23/2/77-EC. II.—In partial modification to this Office Notification of even number dated 19-8-1977 the date of superannuation of Shri K. K. Gupta may please be treated as under on the grounds that the date of birth of Shri K. K. Gupta is 1st August, 1919 according to the Matriculation Examination Certificate of the Calcutta University :

Name	Date of birth	Date of retirement	Designation at the time of retirement
Shri K. K. Gupta	1-8-1919	31-7-1977	Executive Engineer (Valuation), Income-Tax Deptt. Unit at Jamshedpur.

S. S. P. RAU,
Deputy Director of Administration
for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 1st November 1977

No. 27/52/76-ECIX.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri V. R. Kshirsagar, Architect, attached to SA(H & T.P)II, C.O., C.P.W.D., New Delhi, with effect from the date of issue of this Notification.

2. The period of absence from 10-8-77 to the date of issue of this Notification has been treated as Extraordinary leave without pay.

Dy. Director of Administration
D. P. OHRI

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 25th October 1977

SUB.—Jurisdictional adjustments on Central, Southern and South Central Railways.

No 77/EB/1514.—It is hereby notified for general information that the following adjustments in jurisdiction of Central, Southern and South Central Railways have been made with effect from 2-10-1977.—

1. Sholapur Division of South Central Railway Excluding Shahabad/Wadi—Raichur section is merged with Central Railway.

2. Guntakal Division of Southern Railway excluding Arkonam (exclusive)—Renigunta (exclusive) section is merged with South Central Railway.
3. Shahabad/Wadi—Raichur section is attached to new Guntakal Division.
4. Manmad—Daund section of Bhusaval Division of Central Railway is merged with new Sholapur Division.
5. Arkonam (exclusive)—Renigunta (exclusive) section is retained with Southern Railway and forms part of the Madras Division.
6. Gudur Station/Yard complex of Southern Railway is transferred to Vijayawada Division of South Central Railway.

B. MOHANTY
Secy., Railway Board &
ex-Officio Jt. Secy.

SOUTH CENTRAL RAILWAY

HEADQUARTERS OFFICE

PERSONNEL BRANCH,

Secunderabad, the 7th November 1977

No.P.185/GAZ/TC—Sri D. Raja Rao, an Officer of the Indian Railway Traffic Service (on probation) is confirmed in Class-I/Junior Scale of that service with effect from 12th July, 1977.

T. M. THOMAS
General Manager.

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

DEPARTMENT OF SUPPLY

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 7th November 1977

No. G-318/A.—Shri P. K. Chakraborty, Head Clerk, National Test House, Bombay Branch, Bombay who was promoted to officiate as Assistant Director (Admn.) Grade II in the same office w.e.f. 19-7-77 (F/N) vide National Test House, Calcutta Notification No. G-318/A dated 2-9-77 has been reverted to the post of Head Clerk in the National Test House, Bombay Branch, Bombay with effect from the forenoon of 1-9-77.

B. C. BISWAS
Joint Director
National Test House.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s Kiloor Tea Plantation Company Private Limited*

Madras-600006, the 2nd November 1977

No. 1167/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Kiloor Tea Plantation Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Rajmani Chit Funds Private Limited*

Madras-600006, the 2nd November 1977

No. 5634/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rajamani Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asst. Registrar of Companies
Tamilnadu.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s Hindustan Standard (Delhi) Private Limited*

Delhi, the 1st November 1977

No. 2843/21018 —Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Hindustan Standard (Delhi) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. K. ARORA
Asstt. Registrar of companies
Delhi & Haryana

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Chalachitra Distributors Private Limited.*

Cuttack, the 8th November 1977

No. SO /414/77-3875(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chalachitra Distributors Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 5th November 1977

Ref No. A-140/Shi/77-78/894-95.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Patta No. 1(A) situated at Lower Motinagar, Shillong (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shillong on 7-5-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harif Ali,
Secretary to Government of Assam,
Dishpur, Gauhati (Transferor)

(2) Smt. Durga Devi Gupta,
w/o Shri K. C. Gupta,
Lower Motinagar, Shillong. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3024 Sq. ft. along with a house situated at Lower Motinagar bearing Plot No 2(A), Shillong, Meghalaya.

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date : 5-11-77
Seal :

FORM ITNS ———

(1) M/s J. B. Investment Trust,
10, Biplabi Rash Behari Basu Road,
Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bijoy Kumar Gupta,
32A, Canning Street,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 8th November 1977

Ref. No. Ac-18/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/17-S, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 28-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2C, measuring 1730 sq. ft. being premises No. 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta, P. S. Alipore.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 8-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s I B Investment Trust,
10, Biplabi Rash Bchari Basu Road,
Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Surjit Singh Virdi,
23A/17-S, Diamond Harbour Road,
Calcutta

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 8th November 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No Ac-19/R-II/Cal/77-78—Whereas, I,
R V LALMAWIA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No
23A/17-S, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sub-Registrar, Alipore Sadar on 4-3-1977
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 2A (2nd floor), measuring 1456 sq. ft. at pre-
mises No. 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons namely :—
12—346GI/77

Date : 8-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s J. B Investment Trust,
10, Biplabi Rash Behari Basu Road,
Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

(2) Shri Rathindra Mohan Mukherjee, &
Preeti Mukherjee,
of 1-D, 23A/17-S, Diamond Harbour Road,
Calcutta

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette

Calcutta, the 8th November 1977

Ref No AC-20/R-II/Cal/77-78—Whereas, I,
R. V. LALMAWIA,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition
Range, Bangalore
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason
to believe that the immovable property having a fair
market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
23A/17-S, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering officer at
Sub-Registrar, Alipore Sadak on 14-3-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

THE SCHEDULE

Flat No. 1-D (1st floor) measuring 1660 sq ft. at pre-
mises No. 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 8-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 9th November 1977

Ref. No. Ac-21/R-II/Cal/77-78 —Whereas, I,
R. V. LALMAWIA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
JL No 3, RS No. 60, situated at Mouza Chandannagar,
P. S. Maheshtolla
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Registrar of Assurances, Calcutta on 25-3-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) M/s Usha Telehoist Ltd.,
14, Princep St., Calcutta.
(Transferor)
- (2) M/s Usha Atlas Hydraulic Equipment Limited,
14, Princep St., Calcutta
(Transferee)
- (3) Transferors
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of the notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A land being JL No 3, RS No 60, Mouza Chandannagar,
P S Maheshtolla, measuring 6-Bighas, 14-Cottahs, 5-Chittaks
and 16.2 sq ft.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-77-1977
Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Shri A. L. Joshi
 (2) Mrs. Indira L. Joshi
 (3) Shri A. L. Joshi
 All at Phaltan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-
 TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 60/61 BRANDAWANA, KARVE ROAD,
 POONA-411004

Poona-411004, the 31st October 1977

Ref. No. CA5/Haveli-II/Poona/June'77/345/77-78.—
 Whereas, I, Smt. P. LALWANI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs 25,000 and bearing No.
 C.S. No. 1010, freehold plot 'B'
 situated at Shivajinagar, Poona
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Haveli-II, Poona on 24-6-1977
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated
 in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons namely .—

- (2) Pushpamala Co-operative Housing Society Ltd.,
 Plot No 371, C.S. No 1010,
 Shivajinagar, Poona-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may
 be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons which-
 ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
 able property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Plot 'B' C.S. No 1010, Shivajinagar, admeasuring
 944 sq. mts.
 (Property as described in the sale deed registered under No.
 676 dated 24-6-77 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II,
 Poona)

Smt. P. LALWANI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poona.

Date 31-10-1977
 Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. Y. Joshi,
206, Nalayan Peth, Poona-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Pushpamala Co-operative Housing Society Ltd.,
Plot No 371, C.S. No. 1010,
Shivajinagar, Poona-16

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 31st October 1977

Ref. No CA5/Haveli-II/Poona/June'77/346/77-78.—
Whereas, I, Smt P. LALWANI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
C.S. No. 1010, freehold plot 'C'

situated at Shivajinagar, Poona

(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Haveli-II, Poona on 24-6-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the official
Gazette.EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Plot 'C' at C. S. No. 1010, Shivnagar, admeasur-
ing 944 sq. mts(Property as described in the sale deed registered under No
676 dated 24-6-77 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II,
Poona)

Smt. P. LALWANI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Poona.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE,
60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 31st October 1977

Ref No CA5/Haveli-II/Poona/May'77/344/77-78 —

Whereas, I, Smt P LALWANI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
CTS No 798, Bhavani Peth situated at Poona
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
Officer at
Haveli-II, Poona on 27-5-77
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons namely .—

(1) (1) Smt. Kamla S. Tulsiani
(2) Smt. Pushpa Ishwardas Tulsiani
(3) Shri Thanwardas Chandulal Tulsiani
Partners of Tulsiani Builders,
506, Maker Bhavan No. 3,
21, New Marine Lines, Bombay-20
(Transferor)

(2) Tulsiani Estate Co-operative Housing Society Ltd
798, Bhavani Peth, Poona-2.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No 798 Bhavani Peth, Poona-2, admeasuring 2100
sq. yds. (Land and buildings)—Freehold 71 Residential flats
(Property as described in the Sale deed registered under No.
567 dated 27-5-77 registered in the office of the Sub-Regis-
trar, Haveli-II, Poona).

Smt. P. LALWANI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/894/—Whereas, I, R K BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land Khasra No 131, 132, Area 11.66 acres with well and plants situated at Gram-Bad Kheda, Teh. Burhanpur, situated at Gram-Bad Kheda, Teh Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Burhanpur on 28-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Baboo Rao,
2 Shri Saheb Rao,
3 Shri Murlidhar,
4 Shri Tara Chand,
All sons of Shri Meetharam,
5 Smt. Vachhala Bai D/o Shri Meetharam Patil,
6 Smt Yenu Bai Wd/o Meetharam Patil,
All R/o Gram-Bad Kheda, Teh Burhanpur
(M P)

(Transferor)

- (2) 1 Shri Rajnikant,
2 Shri Tayanlal,
Both sons of Shri Chhannulal,
Beesa Nagar Mahagar,
Piatap Pura, Burhanpur (M P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No 131 and 132, Area 11.66 Acres with Well and Plants situated at Gram-Bad Kheda, Teh Burhanpur (M P)

R K BALI

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr Hemant S/o Shri Kamlakar Jadhav,
R/o 20, Kalpana Lok Colony,
Khajran Road, Indore (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1977

Ref No IAC/ACQ/BPL/77-78/895/.—Whereas, I,
R K BALI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,00/- and bearing
Plot at Meera Path Indore Bearing No. 11/13,
Measuring 60' x 71' situated at Indore,
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 17-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

(2) 1. Shri Sandeep Kumar,
2. Shri Neellesh Kumar,
Both Minor, Sons of Shri Virendra Kumar,
R/o 18, Dhenu Market, Indore (M.P.)
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Meera Path, Indore, Bearing No. 11/13, measuring
60' x 71'

R K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 5-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1977

Ref No IAC/ACQ/BPL/77-78/896.—Whereas, I, R K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Two & half storeyed house situated at Bajaj Khana, Ratlam (Area 10-45 x 24-40 mts) situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 27-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—346GI/77

- (1) 1 Shri Hiralal S/o Kedar Shankar, 2. Shri Narpatilal S/o Shri Daru Lal, 3 Shri Pitamlal S/o Dheerajlal, 4 Shri Swamiji Parmanand Sarswa, 5 Shri Nandkishore S/o Shri Kishanlalji, 6 Shri Govindlalji S/o Shri Hetlalji, 7. Shri Ambalal S/o Shri Nathulal, 8 Shri Ishwarlal S/o Shri Kannilal, 9 Shri Himmatlal S/o Shri Nanaklal, 10. Shri Lalit Kishore S/o Shri Kishanlal, 11 Shri Navneetlal S/o Shri Nathulalji Nagai All Brahman All R/o Banswada (Rajasthan)

(Transferor)

- (2) The Cloth Merchant Association, Bajaj Khana, Ratlam (M.P.) Through 1. Shri Fakir Chand S/o Shri Reekh Chandji Gujarati, President, 2 Shri Shri Nihalchand S/o Shri Udanchandji R/o Town Hall Trust, Ratlam 3 Shri Rajmal 4, Shri Fakirchand, 5 Shri Samrathmalji 6 Shri Sujanmalji All C/o Bajajkhana, Ratlam (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two & Half storeyed house situated at Bajaj Khana, Ratlam (M.P.) (Area 10-45 x 24-40 mts)

R K BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date . 5th November, 1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Pandit Liladhar Joshi,
S/o Shri Haribux Joshi, Shujalpur Nagar (M.P.)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ahilya Bai W/o Shri Jankilal Shrivhare, House No 36, Lohiya Marg, Shujalpur Mandi (M.P.)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/897—Whereas, I, R. K. BAI I being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No House No 39, Lohiya Marg, Shujalpur Mandi (M.P.) situated at Shujalpur Mandi (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shujalpur on 3-3-1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

House No 39, Lohiya Marg, Shujalpur Mandi (M.P.).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. K. BAI I
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhopal

Date 5th November, 1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 31st October 1977

C R. No 62/9580/76-77/ACQ/B—Whereas, I, J S RAO Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Property No 1/1, Sampige Road, situated at Hind main road, Malleswaram, Bangalore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram Bangalore Doc. No 3304/76-77 on 30-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Karnataka State Financial Corporation H.O. at, No 25, Sahankannarayana buildings M G. Road, Bangalore-1, Rep/its Managing Director Sri T. P. Issar, I.A.S

(Transferor(s))

(2) The Life Insurance Corporation of India, Central Office at 'Yogakshema', Jeevan Bima marg, Bombay-400021 and its Divisional office at 'Jeevan prakash', Sri Jayachama-Raja road, Bangalore-560002 Rep/by its Senior, Divisional Manager, Sri V. K. Srinivasan

(Transferee(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 3304/76-77 dated 30-3-77]

All that piece and parcel of land bearing corporation No 1/1, Hind main road, Malleswaram and earlier bearing No 1006/1, forming part of old premises No 1006, together with Central office building and annexe and other structures put up by the vendors including the compound walls on all the four sides, situated in division No 9, of the city of Bangalore

Boundaries—

E—Venkaturangaiyengar road (Sampige road) and also known as Hind main road.

W—property belonging to Mysore spinning and manufacturing Co Ltd

N—property belonging to Sampige Theatre and

S—property belonging to Mysore Spinning and Manufacturing Co. Ltd.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date . 31-10-77
Seal .

FORM ITNS—

(1) Sri Suresh Devarajan,
S/o Late S. V. Devarajan,
No. 127, 8th Cross Road,
N. R. Colony, B'lore-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri N. R. Seshadri,
S/o Late N. Ramaswamy Iyengar,
Kantha of Joint Family,
No. 21, Crescent Road, B'lore-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-27, the 31st October 1977

C R. No. 62/9005/76-77/ACQ/B—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

The Property being a vacant building site bearing No. 399 Rajamahal Vilas Extension, situated at Bangalore-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, Doc No. 2529 76-77 on 10-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2529 76-77 Dated 10-3-77]

All that piece and parcel of Land building site bearing No. 399, Rajamahal Vilas Extension, B'lore-6

Boundaries .

North—Site bearing No. 386
South—Road,
East—Site bearing No. 400 and
West—Road.

J. S. RAO

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 31-10-1977

Seal .

FORM 11NS

(1) Shrimati Saramma w/o Sri V. V. John, No. 27/4,
Damodai Mudaliar Street, Ulsoor, Bangalore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th November 1977

C.R. No. 62/9240/76-77/ACQ/B—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing All that piece and parcel of land together with the residential house constructed thereon bearing No. 13A, 6th cross, Hutchins road, St Thomas town, Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. 2587/76-77 on 30-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (2) 1 Mr John Sinclair Fletcher and his wife
2 Mrs Andrey Fletcher rep. hereunder by their duly constituted Attorney Mr. T. M. Fernandes of No. 51, Stephens road, Bangalore-5

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No 2587/76-77, dated 30-3-77]

All that piece and parcel of land together with the residential house constructed thereon bearing No 13A, 6th cross, Hutchins Road, St Thomas town, Bangalore-5.

Boundaries :

N—6th cross, Hutchins road, Bangalore-5.

S—Premises No 1, 5th cross, Hutchins road, Bangalore-5

E—Premises No 13, 6th cross, Hutchins road, Bangalore-5.

W.—Premises Hutchins road, Bangalore-5

J S RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-11-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th November 1977

C R No. 62/9033/76-77/ACQ/B—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Property bearing Corporation No 72, Shankarapark, Shankara Mutt Road, Shankarapuram, Bangalore, situated at Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Basavanagudi, Bangalore Document No 2021/76-77 on 9-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) His Holiness Shri Abhinava Vidyathirtha Mahaswamigalavaru, Jagadguru of Shri Sharada Peeta, Sringeri.
Represented by G.P.A holder Shri K. Krishna Bhatta, S/o Shri Narayana Bhat, residing at Sringeri, Karnataka State

(Transferor)

- (2) Smt. Rajalakshamma,
W/o Late B. Nanjunda Shetty, No 168,
1st Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2021/76-77 dated 9-3-77]
Property bearing Corporation No. 72, Shankarapark, Shankara Mutt Road, Shankarapuram, Bangalore

Boundaries :

East—Cross Road,
West—Smt. Parvathamma's residence,
North—Private property and
South—Vidya Shankar's property

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-11-77
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th November 1977

C.R. No 62/9034/76-77/ACQ/B—Whereas, I, I. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Property bearing corporation No 111, Shankarapark, Shankaramutt Road, Shankarapuram, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Basavanagudi, Bangalore, 2022/76-77 on 9-3-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) His holiness Sri Abhinaya vidyathirtha Mahaswamikalavaru Jagadguru of Sri Sharada Peetha, Sringeri, rep by General power of Attorney, Holder Sri K. Krishna Bhatta, s/o Sri Narayana Bhat, residing at Sringeri, Karnataka State
(Transferees)

(2) Smt M. S. Jayamma w/o Sri M. N. Sadashivaiah, No 11, Shankaramutt Road, Shankara Park, Shankarapuram, Bangalore-11

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2022/76-77 dated 9-3-77]

Property bearing corporation No 111, Shankarapark, Shankara Mutt road, Shankarapuram, Bangalore-4.

Boundaries

E—Shankar Mutt road
W—Private property
N—Mutt's property and
S—Mutt's property

I. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 5-11-77
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th November 1977

C.R. No. 62/9066/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J S RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Property No 2123/1, 8th Cross, Kalikere Dasappa Block Extension, situated Channapatna, (Municipal 'A' Division) situated at Nakodar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Channapatna, Document No 2635/76-77 on 5-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Ramachandrian,
Grand son of Kalikere Dasappa,
(2) Shri Gopalakrishna
(3) Shri Chinmayananda
Minor Children
of Shri
Ramachandrian
All residing at Pete, Channapatna Town, Channapatna.
(Transferor)

- (2) Shri Y S Raghavaiah,
S/o. Yajaman Srinivasiah,
Pete, Channapatna Town.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 2635/76-77 dated 5-3-77]

Property No 2123/1, 8th Cross, Kalikere Dasappa Block Extension, Channapatna (Municipal "A" Division).

Boundaries :

South—Road,
North—Private Property,
East—Private property,
West—Private property

J S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 7-11-1977
Seal.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-I

Bangalore-1, the 9th November 1977

CR No 62/9031/76-77/Acq/B.—Whereas, I, J. S. Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, New lay out New Kalasipalya, 1st cross, Bangalore Division, No. 39, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc No. 2011/76-77 on 7-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

14—346GJ/77

- (1) 1. Smt. Govindamma w/o late B. Tayappa.
2. Sri B. T. Shankar s/o late B. Tayappa both residing at No 176, III Block, Jayanagar, Bangalore

(Transferor)

- (2) 1. Sri A. Changala Naidu s/o late A. Rangiah Naidu
2. Sri A. C. Kuppuswamy Naidu
3. Sri A. C. Rajagopal Naidu.
4. Sri A. C. Keshavala Naidu.
From 2 to 4, children of Sri A. Changala Naidu. No. 4 is minor and he is rep. by his father and natural guardian in A. Changala Naidu. Fruit and vegetable Merchants, 3-4, wholesale Bazar street, Sri Krishna Rajendra Market, Bangalore-2.

(Transferee)

- (3) M/s. M. B. Transport. (G.F.)
F.F. M/s. Jindal Roadways
3. Vavant. 4. M. P. Rawal.
5. Viswanath 6. Vavant 7. Abdul Rahim, 8. Ramakrishna of M/s. Eagle Transport. 9-10. Out house, I Floor, V. Mohamed Ishaq, 11. K. A. Agarwal II.F. 12. M/s. Raiding Kerala. 13. M/s. Kerala road ways.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2011/76-77 dated 7-3-77]

Property bearing No. 4, New lay out, New Kalasipalyam, 1st cross, Bangalore (Division No. 39).

Boundaries :

- E.—Property bearing No 5 belonging to Mane Hanumanthappa Rao
- W.—Property bearing No 3 belonging to Munichinnappa.
- N.—Road and
- S.—Property bearing No. 21, belonging to Sanjeevappa

J. S. RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-11-77

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 25th September 1977

Ref. No. Acq F No.474.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No 4-1-40 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 1-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Mocherla Kutumbarao,
Regd. Brigadier,
2. Sri Mocherla Vijayarao,
3. Sri Mocherla Gopal Rao,
4. Sri Mocherla Krishnakumar Rao,
GPA hold father Sri M. Kutumbarao.
5. Sri Mocherla Sriramamurthy,
Military officer (Manager of the HPF)
consists of his Minor sons Mr Satish and Mr.
Ramesh, GPA holder Sri M. Kutumbarao,
A-3, Sainkuri, Secunderabad

(Transferor(s))

- (2) 1. Sri Mandava Rajagopala Rao,
Landlord, Door No. 4-1-40, Ramannapeta,
Koritipadu, Guntur.
2. Sri Sontineni Govardhan,
S/o Venkalah,
3. Smt. S. Sowbhagya Laxmi,
W/o S. Govardhan,
GPA Holder Sri Mandava Rajagopala Rao,
Landlord, D No. 4-1-40, Ramannapeta,
Koritipadu, Guntur

(Transferor(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1209/77 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-4-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 25-10-1977

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 5th November 1977

Notice No. 195/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJA-GOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Dharwar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Asst. Nos. 556 to 560 Municipal Khata No. 514 situated at Mangalore-Bangalore Road, Sakaleshpur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sakaleshpur under Document No. 1323/76-77 on 28-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B. M. Chandrashekhar,
Honorary Secretary,
Munzerabad Club, Sakaleshpur, Hassan District.
(Transferor)

(2) Shri (Dr.) B. T. Narayanan,
Technical Adviser and General Power of Attorney
Holder, Goorghally Estate, Sakaleshpur,
Hassan District.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land together with buidlers and structures thereon, forming a portion of the property bearing assessment Nos. 556 to 560 in Municipal Khata No. 514, situated at Bangalore-Mangalore Road, Sakaleshpur Town.

Measuring :—

East by—Kushalanagan Road and measuring on that side 60 feet,

West by—Hassan—Mangalore Road and measuring on that side 182 feet,

North by—The remaining portion of the land retained by the Vendor and measuring on that side 220 feet plus 300 feet; and

South by—Government High School and Survey No. 132, measuring on that side 272 feet plus 208 feet.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Dharwar.

Date 5-11-77
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 26th October 1977

Ref No. IAC/ACQ/49/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRI-VASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 727/2 on plot No. 37, 2573 sq. ft situated at C.A. Road, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 3-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating in concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Shri Gopal Ramchandra Khadgi,

2 Shri Purushottam Ramchandra Khadgi,

3. Shri Maroti Ramchandra Khadgi,

All resident of C. No. 15/21, at Nagpur

(Transferor)

(2) 1 Shri Sunilkumar Daulatram Khushlani,

2 Shri Rajeshkumar Daulatram Khushlani,

All resident of Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 727/2 on plot No. 37, 2573 sq ft W. No. 35, Circle No 16/21, Central Avenue Road, Nagpur

H. C. SHRIVASTAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range,

Nagpur

Date : 26th October 1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Partu Ram Alias Pratap Chandra
S/o Shri Mangal Chand Oshwal,
R/o Makkasar, Teh Hanumangarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamla Devi
W/o Shri Parag Chand Agiawal,
R/o Hanumangarh Town, Tehsil Hanumangarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1977

Ref No Raj./IAC(Acq)/375—Whereas, I, CHUNNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Shop at Ward No. 4 situated at Hanumangarh Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 5-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

*Shop at Ward No 4, Opp Mitruka Cloth Store, Hanumangarh Town more fully described in the conveyance deed registered by Sub-Registrar, Hanumangarh at S No 161 dated 5-3-1977.

CHUNNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Date : 8th November, 1977
Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Behram K Dubash;
Mrs. Najoo K Bhabha and
Hilla Nadir Dinshaw

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mirza Hasan Baig

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
AYURVED HOSPITAL BUILDING
NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay, the 5th November 1977

Ref No AR-I/1991-19/Mar 77.—Whereas, I, F J, FER-
NANDEZ,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

C.S 1/556 of M & C Hill Division
situated at Gowalia Tank Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 9-3-1977

for apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as against to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2487/
76/Bom and as registered on 9-3-1977 with the Sub-Registrar
Bombay

F J FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date 5th November, 1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1977

Ref. No. AR-II/2488-13/Mar.77.—Whereas, I, V S MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Final Plot 795, T P S. III, situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jivanlal Ugarchand Shah
(Transferor)
- (2) New Cosmos Commercial Premises Coop. So. Ltd
(Transferee)
- (3) 1. Shri Ishwardas T Mulchand
2. Smt. Vina Pramila Parekh
3. Smt. Vamlaben Kantilal Shah
4. Shri Kishinchand H
5. J Hotchand
6. Shri Vasant C Patel
7. Shri Bipinchand V Shah
8. Shri Balvantrai J. Sampat
9. Shri Arvind G Malkan
10. Shri Kishore V Sanghrayka
11. Smt. Laxmi Tikamdas.
(Person in occupation of the property)
- (4) 1. Shri Bipinchand Vrajlal Shah
2. Shri Chhabildas Mohanlal Parekh
3. Shri Arvind Gidharlal Malkan
Partners of M/s. Cosmos Construction Co.,
60, Rukshmani Nivas, Gurgaum Road,
Bombay-4
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registered Deed No. 4090/69/R registered on 11-3-1977 with the Sub-Registrar at Bombay

V. S MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay.

Date 4-11-1977
Sent

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31d November 1977

Ref No. ASR/30/77-78.—Whereas, I, S. K GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Attwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tehsil Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Satwant Kaur, Manjit Kaur, Chandamau Kaur Dasha Kaur, Baljit Kaur d/o Sh. Uddham Singh alias Hari Singh S/o Ganda Singh R/o Vill Attwal, Tehsil and Distt. Amritsar,

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Singh, Bhupinder Singh and Surinder Singhs S/O Shri Uddham Singh R/O Vill. Attwal, Tehsil and Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S.No 2 above and tenant(s) if any.

(4) Any person interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 48-K 8-M at vill Attwal as mentioned in the regd. deed No. 6103 of March, 1977 of Registering Authority Tehsil Amritsar.

S K GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1977

Ref No ASR/31/77-78—Whereas, I S K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 38 situated at Gopal Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—
15-346 GI/77

(1) Smt Durga Devi Wd/O Sulakhan Singh 76-C, Lawrence Road, Amritsar

(Transferor)

(2) S/Shri Roshan Lal, Romesh Kumar, Narinder Kumar SS/O Shri Rakha Ram R/O 38-Gopal Nagar, ASR

(Transferee)

(3) As at S No 2 above and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

38-Gopal Nagar, Amritsar as mentioned in the regd deed No 2045 of March, 1977 of Registering Authority City Amritsar.

S K GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 3rd November 1977

Ref. No ASR/32/77-78—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land situated at Chintkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt Lakshmi W/d Alla Singh S/o Shri Natha Singh R/O Vill. Chint Kot, Tehsil and Distt Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh Joginder Singh S/O Sh Alla Singh S/o Shri Natha Singh, R/O Vill-Chint Kot Tehsil and Distt Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S.No 2 above and tenant(s) if any

- (4) Any person interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 35-K 5-M at village Chint Kot as mentioned in the regd deed No 6144 of March, 1977 of Registering Authority, Tehsil-Amritsar.

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vinod Kumar S/O Shri Balraj Mahajan C/O Saroj Textile Mills, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Parkash C/O Modern Prints, Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(4) Any person interested in the property.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 3rd November 1977

Ref No ASR/77-78/33—Whereas, I, S K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2289/664, situated at Tung Pail Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at City Amritsar in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of area 1680 Sq yds No. 2289/664 at Tung Pail, Batala Road, Amritsar as mentioned in the side deed No 1941 of March, 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

S. K. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-11-1977

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1977

Ref No ASR/34/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 22-A situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Sh Sant Ram S/o Sh Rattan Chand, Shastri Nagar, Amritsar.

(Transferors)

- (2) Sh Ram Ditta Mal Mehra, Dharmarth Trust, Partap Bazar, Amritsar

(Transferees)

- (3) As at S No 2 above and tenant(s) if any

- (4) Any person interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 22-A, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Regd deed No 1881 of March, 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 4-11-1977

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th November 1977

Ref No ASR/35/77-78—Whereas, I, S. K GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 327 situated at Shastri Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,

(1) Kishan Chand S/o Sh. Amar Nath, Bazar Swank Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Mohan, S/o Sh. Ram Dass r/o Katra Khazana Amritsar

(Transferee)

(3) As at S.No 2 above and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

$\frac{1}{2}$ share of Plot No 327 at Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the regd deed No 1952/1 of March, 1977 of Registering Authority City Amritsar.

S. K GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 4-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th November 1977

Ref No ASR/36/77-78.—Whereas, I, S K GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 327 situated at Shastri Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(1) Sh. Kishan Chand S/o Sh Amar Nath, Bazar Swank Mandi, Amritsar,

(Transferor)

(2) Sh Tilak Raj S/o Sh Ram Dass r/o Katra Khazana, Amritsar

(Transferee)

(3) As at SNo. 2 above and tenant(s) if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of Plot No. 327 at Shastri Nagar Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1951/1 of March, 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar,

Date : 4-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Chaman Parkash s/o L. Puran Chand,
Near Sabzi Mandi, R/o Yamunanagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) (i) S/Sh. Ram Chand, Lal Chand, Bhagwan Dass
s/o Sh. Mahya Ram.
(ii) Sh. Des Raj c/o M/s. Ghaba Iron Store,
Yamuna Nagar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref. No. JDR/7/77-78 —Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,

being the Competent Authority,

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot measuring 6 bighas situated at Village Sosoli, Teh. Jagadhari.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in May 1977.

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned. —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2460 sq yards bearing Khasra Nos 30/16 25 38/5 situated at Village Sosoli, Teh. Jagadhari, bounded as below :—

North : Road P.W.D

South : Dharam Pura Co.

East : Bhagwan Dass

West : Road 20' wide

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No 571 in May, 1977 in office of Registering Authority at Jagadhari).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh Chaman Parkash s/o L. Puri Chand,
Near Sabzi Mandi, R/o Yamunanagar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) (i) S/Sh Ram Chander, Lal Chand, Bhagwan Dass,
ss/o Sh Mahya Ram.
(ii) Sh Des Raj c/o M/s Ghabri Hon Store,
Yamuna Nagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No JDR/23/77-78—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot measuring 6 bighas situated at Village Sosoli, Teh. Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Jagadhari in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2368 sq yards bearing Kharia Nos 30/16,25 38/5 situated at Village Sosoli, Teh Jagadhari, bounded as below —

North . Road P.W.D.
South . Dharampura Co
East . Bhagwan Dass
West . Road 20' wide

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl No 455 in May, 1977 in the office of Registering Authority at Jagadhari)

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

date 3-11-1977
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref No PNP/19/76-77 —Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land-14 bighas 14 biswas in Khasia Nos. 36, 37, 38, 39, 40, 41 & 42, Insar Taraf, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in February, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—346GI/77

- (1) (i) S/Sh Atul Kumar, Neeraj Kumar ss/o Shri Prem Singh, Chawla,
- (ii) Sh Parveen Kumar s/o Sh Prem Singh Chawla through general attorney in favour of Sh Prem Singh s/o Sh Hakam Rai, 388-Model Town, Panipat
- (iii) S/Sh Varinder Nath, Devinder Nath, Ravinder Nath ss/o Sh Shanker Dev, Railway Road, Panipat

(Transferee)

- (2) Shri Amir Chand Kakkai s/o Shri Latha Ram, Ex-MLA, Shahbad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land-14 bighas 14 biswas in khasra Nos						
36	37	38	39	40	41	42
(3—6)	(3—3)	(2—2)	(1—13)	10 & 12	(3—6)	(1—1)

(Property as mentioned in the sale deed registered at SI. No. 7151 dated 28.2.77 of the Registering Authority, Panipat).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref. No PNP/20/76-77 —Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land-14 bighas 14 biswas in Khasra Nos 36, 37, 38, 39, 40, 41 & 42 situated at Insar Tarai, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in February, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) S/Shri Om Parkash, Raj Kumar ss/o Chaudhary Kartar Chand,
(ii) Sh. Satish Kumar s/o Sh Hukam Chand,
(iii) Sh. Gian Chand, Dev Raj, Ashok Kumar ss/o Shri Hukam Chand, 66-Model Town Panipat
(Transferor)

- (2) (i) Shri Amir Chand s/o Sh Latha Ram, Ex-MLA, Shahbad,
(ii) S/Shri Paandeep Kumar, Anil Kumar, Ashwani Kumar, ss/o Shri Amir Chand Kakkai, Ex-MLA, Shahbad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land-14 bighas 14 biswas in Khasra Nos.						
36	37	38	39	40	41	42
(3-0)	(3-3)	(2-2)	(1-13)	(0-1)	(3-3)	(1-1)
(Property as mentioned in sale deed registered at Sl No 7164 dated 28.2.1977 of the Registering Authority, Panipat)						

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 3-11-1977
Seal

FORM ITNS—

(1) Shri Dhanu Ram S/o Shri Ganga Ram, R/o SCF 20, Sector 27-C, Chandigarh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Parhlad Singh s/o Shri Pritam Singh, R/o SCF 20, Sector 27-C, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 31d November 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No CHD/5/77-78 —Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No SCF 20/27-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been, or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property consists of 2½ storeyed commercial-cum-residence building bearing No. 20/27-C, Chandigarh. Area of the plot attached to the property is 123.75 sq Yards

(Property as mentioned in the Registration Deed registered at Sl No 91 of April, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Balwant Kaur W/o Shri Daulat Singh R/o Afghan Road, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Bal Kishan, S/o Lala Ram Narain, R/o House No. 1227, Sector 15-B, Chandigarh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref No CHD/24/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1227, Sector 15-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons-whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

THE SCHEDULE

Residential house (2½ storeyed) bearing No 1227 sector 15-B, Chandigarh The area of the plot is 249-4 sq yards.

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No 176 of May, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh)

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, SONPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref No CHD/27/77-78 —Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No SCO, Plot No 823-824, Sector 22-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

- (1) (i) Smt Uimila Chopra W/o Capt D C Chopra,
(ii) Smt Chandei Kala W/o Sh B Sharma,
(iii) Sh Durga Dutt S/o Sh Wadhawa Ram, all residents of SCO 1039, Sector 22-B Chandigarh.
(Transferor)

- (2) (i) Mrs Chandei Mohini W/o Shri S V. Dhanda,
(ii) Mrs. Vir Bhushan Romila Sood, W/o Shri K P Sood, Residents of H No 543/16-D, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50% share in property bearing No SCO, 823-824/22-A Chandigarh

(Property as mentioned in sale deed registered at SI No. 212 of May, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

date . 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

1. Mrs. Usa Varma C/o Sri Ramesh Kumar
7/39, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

2. Mrs. Kanti Kapoor 7/39, Khalasi Lines,
Kanpur

(Transferee)

Kanpur, the 1st November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—Ref No 263-A/Acq/Kanpur/77-78.—Whereas, I, R. P.
BHARGAVA,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believethat the immovable property having a fair market value
exceeding Rs 25,000/- and bearing No. as per schedule
situated at as per schedule(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kanpur on 10-3-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official
Gazette,EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and
or(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 portion of house
property bearing No 7/39, Khalasi Lines, Kanpur, transfer-
red for an apparent consideration of Rs 1,25,000/-.R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, KanpurNow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date: 1.11.77

Seal.

FORM ITNS

1 Mr Dinesh Kumar Mehrotra s/o Late Sri Ram Chandraj, SP Verma Road, Patna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2 Mrs Kanti Kapoor,
7/39, Khalasi Lines, Kanpur

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No 264-A/Acq/Kanpur/77-78.—Whereas I, R P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-3-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 portion of house property bearing No 7/39, Khalasi Lines, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs 1,25,000/-

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 1-11-1977
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1977

Ref No 486-A/Acq/Meerut/77-78/4699 —Whereas, I,
R. P. BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at
Meerut on 28-2-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Shri Krishna Ram Nagar
Son of Pt Shashi Shekhar Nagar,
Kansarganj, Meerut
(Transferor)
- (2) Shiv Charan Das
Son of Kapoor Chand Gupta and
Shri Jai Prakash
Son of Mutbanna Lalal Sukhveer Singh Gupta,
Mandi Kansarganj, Meerut City
Through Jai Prakash
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of one shop, double storied
bearing Nos 80 and 81 situated at Mandi Kansarganj, Meerut
City transferred for an apparent consideration of Rs
60,000/-

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date 3-11-1977,
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1977

Ref No. Acq/527/Agra/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 21-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
17—346GI/77

- (1) Smt. Kamlesh Kumari Bhasin,
W/o Sarwan Kumar Bhasin,
R/o 2/209/5, M. G Road, Agra. (Transferor)
- (2) Shri Thakur Das S/o Late Sri Deomal,
R/o Sadar Bhatti, Agra. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House Property No. 2/209/5, M. G Road, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs 96,250/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th November 1977

Ref No 476-A/Acq/Meerut/77-78/4824.—Whereas, I, R P BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 22-2-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Suraj Prakash Jain,
Son of Nem Chand Jain,
R/o Ranjeetpuri, Sadar, Meerut Cantt
(Transferor)
- (2) S/Shri Jai Kishan, Prem Kishan, Nand Kishore,
All sons of Radha Kishan,
Muftibara, Meerut City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Shop No. 57, Rung Saaj Mohalla, Sadar, Meerut Cantt. transferred for an apparent consideration of Rs 49,000/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Chandra Fulabhai Pandia.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Balika Vidyalaya,
through Secretary, Sri Madanlal Dalmia.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 9th November 1977

Ref. No 55/77-78/IAC(A/P)/BESR—Whereas, I, A N MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No 23 situated at Khetrajpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 19-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

The land with structure thereon situated at Mouza Khetrajpur, Sambalpur bearing Ward No 23, Municipal Holding No 426 and registered in the office of the Registrar of Assurance, Calcutta vide Document No. I-699 dated 19-2-77

A. N. MISRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 9-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Saida Bibi,
W/o Babu Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ramdas Agarwalla,
for Ferro Alloys Corporation Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 9th November 1977

Ref No 56/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza-Mathasahi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhadrak on 9-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The land is situated at Mouza-Mathasahi, Bhadrak, Bala-sore under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhadrak and registered by sale document No. 1129 dated 9-2-1977.

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 22nd October 1977

Ref. No. PR No. 532 Acq 23-973/19-7/77-78.—Whereas,
I, S. C. PARIKH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 12, Nondh No. 3110 situated at Rani Talav, Parsi Sheri, Surat

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in March 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Taraben Chhaganlal
Sharda Bhavan, Bhaijiram Lane,
Thakor Dwar, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Shri Dineshchandra Chhaganlal Kholwadwala,
Rani Talav, Dubgarwad, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 12, Nondh No 3110 situated at Parsi Sheri, Rani Talav, Surat admeasuring 103 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 415/77 in the month of March, 1977 by the Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 22-10-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 1st November 1977

Ref. No. P.R. No. 533 Acq. 23-974/19-7/77-78.—Whereas, I, S C PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No. 6, Nondh No. 1532-b situated at Maniara Sheri, Mahidharpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nagindas Nanabhai,
5/780, Vama Sheri, Mahidharpura,
Surat

(Transferor)

- (2) 1. Shri Ishverlal Jamnadas,
2. Smt. Kanchanben Ishverlal;
3. Jugalkishor Ishverlal;
4. Samirkumar Ishverlal,
Rajendranagar, Maharashtra Housing Board,
B. No. 2/21, Borivali, East Bombay-92
(At present : Maniara Sheri, Mahidharpura,
Surat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 1532-b of Ward No. 6, situated at Maniara Sheri, Mahidharpura, Surat measuring 82.4 sq yds as described in the sale deed registered in the month of March, 1977 under registration No. 300 by registering Officer, Surat

S. C PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1st November 1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 8th November 1977

Ref No. P.R. No 535/Acq 23-976/19-7/77-78 —Whereas, I, S C PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 10, Nondh No 742 situated at Ambaji Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Dhansukhlal Nanabhai,
Lal Gate, Khand Bazar, Surat.
2 Shri Thakorbhai Nanabhai,
Lal Gate, Khand Bazar, Surat. (Transferor)
- (2) Shri Ashok Bhagwandas Shah,
Linda Chawk, Ganti Sheri, Surat.
At present—742, Ambaji Road, Surat. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Ambaji Road, Surat, Ward No. 10, Nondh No 742—situated at Ambaji Road, Surat admeasuring 102-84-40 sq mtrs—122 sq yards as described in the sale deed registered under registration No. 389 in the month of March, 1977 by the Registering Officer, Surat

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-11-1977

Seal :

FORM TINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 8th November 1977

Ref No. PR No. 536/Acq. 23-977/7-4/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 21, S. No. 266 palki situated at Ashanagar, Navsari, Dist. Bulsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 11-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Kantadevi widow of Lalbhai Dahyabhai Desai,
3-A, Court Road, Civil Lines, Delhi-6.
Power of Attorney Holder,
Shri Divkerrai Dalpatbhai Desai,
3, Court Road, Civil Lines, Delhi-6. (Transferor)
- (2) 1. Shri Girishkumar Chhotalal Patel,
2. Shri Kiritkumar Chhotalal Patel,
Power of Attorney Holder,
Shri Chhotabhai Parshottamdas Patel,
3 Smt Bhikhaben Chhotalal Patel,
Giri Sadan, Dhahiwad, Navsari (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Block No. 21, S. No. 266-1 palki, situated at Ashanagar, Navsari measuring 5168 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 1491 in the month of March, 1977 by the registering officer, Navsari.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vishnuprasad Motilal Janiwala;
Rampura, Main Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009(1) 1. Shri Pravinchandra Shantilal;
2. Shri Chandrakant Shantilal;
3. Minor Ashok Shantilal,
P A Holder, Madhusudan Jagannath;
3623, Rampura, Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

Ahmedabad-380 009, the 3rd November 1977

Ref No P R No. 534 Acq 23-975/19-7/77-78 —Whereas,
I, S C PARIKH
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No
Ward No 7, Nondh No 3623
situated at Rampura Main Road, Surat,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Surat on 25-4-1977
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act in respect of any
income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Land and building bearing Nondh No. 3623 of Ward No
7, situated at Rampura Main Road, Surat admeasuring 231
sq. yds. as described in the sale-deed registered under regis-
tration No 678 in the month of April, 1977 by the register-
ing Officer, Surat

S. C. PAREKH

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

18-346GI/7L

Date : 3rd November 1977.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

No. Acq 23-I-1272(606)/10-1/75-76 —Whereas, I S. C. Parikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No City Survey No 95, Part-F Sheet No 1, situated at Near Bedi Gate, Opposite Super Market, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 7-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ram Rakhubai widow of Ramlok Dala Pandit, Kashivishwanath Road, Out-side Three Gate, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Solanki Jakhubhai Deshabhai Near Diwan Khana's Chawky, Nagnath Gate Road, Jamnagar.

(Transferee)

(3) (1) Bharatiya Hotel & Lodge,
Opp Super Market, Jamnagar

(2) Vora Musaji Mahamadali, Bedi Gate, Jamnagar
Super Market, Jamnagar.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double-storied building standing on land admeasuring 3560.92 sq. ft bearing City S. No 95, Part-F, Sheet No 1, situated Near Bedi Gate, Opposite Super Market, Jamnagar

S. C. PARIKH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 9-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

No Acq 23-I-1280(607)/12-1/75-76 —Whereas, I, S C Parikh,
being the Competent Authority under Section 269-B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No S. No 5 (Old S No 331) situated at Anjar (Kutch)
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Anjar on 26-4-1977
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and I
have reason to believe that the fair market value of the pro-
perty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to be-
tween the parties has not been truly stated in the said instru-
ment of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

- (1) Shri Sorathiya Hadia Dahya Ukabhai,
Outside Sorathyanaka,
Anjar,
Dist. Kutch-Bhuj. (Transferor)
- (2) Shri Sorathiya Hadia Hiraji Govind,
Village Shiram, Taluka Anjar,
Dist : Kutch-Bhuj (Transferee)
- (3) Nil
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Keshavlal Gulalchand Sheth,
Nathwarlal G Sheth,
Anjar, Dist. Kutch
(Person whom the undersigned knows to be interest-
ed in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land known as 'Deshwadi', admeasuring Acre
12 G. 12, bearing Survey No. 5 (Old S. No. 331), situated
at Anjar and as fully described in the sale-deed registered vide
regn. No. 351 dated 26-4-77 by sub-Registrar, Anjar.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date . 9-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

No Acq. 23-I-1296(608)/10-I/77-78 —Whereas, I, S. C. PARIKH;
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 1-G-4, Plot No. 5 known as Shri Hajur Gaushala situated at Saru Section Road, Jamnagar (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Gordhandas Dhanaji,
2. Shrimati Muktaben Gordhandas,
Bedi Gate, Jamnagar (Transferor)
- (2) Shri Kuchhi Bhanushali Mahajan Sarovar,
Through secretary, Shri Naranji Khetaji,
56, Digvijaya Plot, Jamnagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property known as 'Shri Hajur Gaushala', standing on land admeasuring 6600 sq. ft. (612.40 sq. metres) bearing City Survey No. 1-G/4, Plot No. 5, situated at Saru Section Road, Jamnagar

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 9-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

No Acq 23-I-1295(609)/11-1/77-78.—Whereas, I, S C Parikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No Plot No. 299, at Gandhigram situated at Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 25th March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shrimati Vasantiben Tulsidas and
(2) Shri Tulsidas Zaverchand
C/o Tulsidas Zaverchand Sanghani,
56, S. V. Road, 3/12 Vivekanand Nagar
Borivali (West)
Bombay-92

(Transferor)

- (2) Shrimati Nirmalaben,
Hasmukhlal Masharu,
C/o Shri Hasumukhlal T Masharu,
Near Sejana Ota, Junagadh and
Hindustan Traders,
Jayshri Talkies Road, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A residential Building standing on land admeasuring 500 sq yards bearing plot No. 299, Situated at Gandhigram, Junagadh.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date . 9-11-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Dr. Dinesh Ratilal Shah,
Opp : Trikon Bagicha,
Rajkot

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Parsottam Dahyabhai,
Kanal Road, Corner of Digvijaya Plot,
Shri Ramkripa, Rajkot.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

No. Acq 23-I-1349(610)/16-6/77-78 —Whereas, I, S. C. Parikh;
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Rajkot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

An open plot of land situated near Jagnath Temple, admeasuring 242.3.72 sq. yds. situated at Jagnath, Near Jagnath Mandir, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Ragn. No 399 dated 7-3-1977 by Sub-Registrar, Rajkot.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 9-11-1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th November 1977

Ref No. AP-1725.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per Schedule situated at Hussan Munda, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Banti, Ishu and Chaudhary Sh. Labhu,
R/o Vill Hussan Munda Teh Jullundur
(Transferor)

(2) Shri Naranjan Singh S/o Sh. Labhu
Vill Hussan Munda,
P.O. Kartarpur Teh Jullundur
(Transferee)

* (3) As per S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)

* (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 294 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 16-11-1977.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amrik Singh S/o Sh. Mehari Singh,
R/o Vill, Doohtie, Teh Jullundur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th November 1977

Ref No AP-1726—Whereas, I, B S DEHIYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Sodal Road, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shrimati Melan Devi W/o Sh Bhagat Ram through Sh. R. P. Gulati, 112, Shiv Nagar, Industrial Area, Jullundur.

(transferee)

*(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 413 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date: 16-11-1977

Seal:

FORM ITNS

(1) M/s. Lai Electrical Industries,
S-52, Industrial Area, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Forgings & Chemical Industries,
1/4 Patel Road, Jullundur Cantt

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

*(3) As per S No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Jullundur, the 16th November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref No A P 1727—Whereas, I, B. S. DFHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Bye Pass Vill Reru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 321 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DFHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 16-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th November 1977

Ref. No AP-1728—Whereas, I, B S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Vill Reru Bye Pass (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- (1) M/s. Jai Electrical Industries,
S 52, Industrial Area, Jullundur.

(Transferor)

- (2) M/s. Forgings & Chemical Industries,
† Patel Road, Jullundur Cantt

(Transferee)

- * (3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

- * (4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 2236 of July, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Date 16-11-1977.

Seal :